दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

गुरुवार 22 मई 2025

सूर्योदय प्रात: 05 :28 बजे

सूर्यास्त सांय 19 : 09 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 216 | गाजियाबाद, गुरुवार 22 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

IFS के प्रदर्शन मूल्यांकन को लेकर मप्र सरकार का आदेश रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने आईएएस अफसर से मूल्यांकन रिपोर्टों की समीक्षा को अवमानना बताया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार के उस आदेश को अवमाननापूर्ण करार देकर बुधवार को रद्द कर दिया, जिसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को राज्य में भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्टों की समीक्षा का निर्देश दिया गया था।

रिकॉर्ड में यह बात सामने आई है कि मध्य प्रदेश में ऐसे तौर-तरीकों का पालन किया जाता था, जिसमें जिला कलेक्टरों या वरिष्ठ अधिकारियों समेत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट दर्ज करते थे।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ उन याचिकाओं पर विचार कर रही थी, जिनमें पूछा गया था कि क्या आईएएस अधिकारी आईएफएस अधिकारियों के लिए रिपोर्टिंग, समीक्षा और स्वीकृति प्राधिकारी हैं। मुख्य न्यायाधीश द्वारा लिखे गए फैसले में कहा गया है कि हमें यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि विवादित सरकारी आदेश की प्रकृति अवमाननापूर्ण है।

कहा कि 29 जून, 2024 का सरकारी आदेश शीर्ष अदालत के निर्देशों का पूरी तरह उल्लंघन है। अदालत ने कहा कि इसमें उसका 22 सितंबर, 2000 का आदेश भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि 22 सितंबर, 2000 को सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया था कि अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद तक के अधिकारियों के लिए रिपोर्टिंग प्राधिकारी वन विभाग में उससे ऊपर का वरिष्ठ अधिकारी होना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा था कि केवल प्रधान मुख्य वन संरक्षक के मामले में रिपोर्टिंग प्राधिकारी वन सेवा से संबंधित व्यक्ति के अलावा कोई अन्य होगा, क्योंकि भारतीय वन सेवा में उनसे वरिष्ठ कोई नहीं होता। फिर नियम बनाए सरकार पीठ ने कहा कि मध्य प्रदेश को छोड़कर अन्य सभी राज्य सितंबर शीर्ष अदालत के निर्देशों का ईमानदारी से पालन कर रहे हैं। पीठ ने हिदायत दी की वह इस तरह के सरकारी आदेश जारी करने के लिए जिम्मेदार के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू कर सकती थी, लेकिन हम ऐसा करने से खुद को रोक रहे हैं और आदेश रद्द कर रहे हैं। साथ ही कहा कि मध्य प्रदेश सरकार शीर्ष अदालत के निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए एक महीने में नियमों को फिर से तैयार करे।

PM बीकानेर में करेंगे कई परियोजनाओं का शुभारंभ

✷ वेबवार्ता. जयपुर ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर जिले में रेलवे, सड़क, बिजली, जल और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 22 मई को राजस्थान के दौरे पर जाएंगे।

वे सबसे पहले बीकानेर जाएंगे और देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री देश में रेल अवसंरचना को निरंतर बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे।

राज्यों को परेशान करने के लिए राज्यपाल पद का दुरुपयोग : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पोस्ट को भी किया रिपोस्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निर्वाचित राज्य सरकारों की आवाज दबाने और उन्हें परेशान करने के लिए राज्यपाल पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे वक्त की है, जब राष्ट्रपति मुर्मु ने पिछले दिनों दुर्लभ स्थितियों में इश्तेमाल किए जाने वाले संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए सुप्रीम कोर्ट से सवाल किए हैं। राष्ट्रपति ने शीर्ष अदालत से पूछा है कि क्या राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति के विचार के लिए न्यायिक आदेश के जरिए समय सीमा निर्धारित की जा सकती है। राहुल गांधी ने 'एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि भारत की ताकत इसकी विविधता में निहित है।

राज्यों का संघ मतलब प्रत्येक की अपनी आवाज है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उन आवाज को दबाने और निर्वाचित राज्य सरकारों को बाधित करने के लिए राज्यपाल पद का दुरुपयोग कर रही है। इसे संघवाद पर एक खतरनाक हमला करार देते हुए विपक्ष के नेता ने कहा कि इसका विरोध किया जाना चाहिए। एक्स पर अपने पोस्ट के साथ उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का एक पोस्ट भी रिपोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा था।

जोधपुर डीएम कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

✷ वेबवार्ता. जोधपुर ✷। जोधपुर डीएम कार्यालय को बुधवार सुबह आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद ऑफिस खाली करा लिया गया। हालांकि, यह धमकी फर्जी निकली। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों को तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। जोधपुर कलेक्टर कार्यालय की आधिकारिक आईडी पर सुबह करीब 9.30 बजे एक ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल में आरडीएक्स का उपयोग कर दोपहर 3.30 बजे परिसर को उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। एक अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ, आरपीएफ और सीआईएसएफ की टीमों को भी बुलाया गया और उन्होंने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। जोधपुर पुलिस के साइबर विशेषज्ञ ईमेल भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। डीसीपी ईस्ट की साइबर विशेषज्ञों की टीम के साथ-साथ कमिश्नरेट के साइबर विशेषज्ञ भी जांच का हिस्सा हैं। वे आईपी एड्रेस के साथ यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ईमेल किस शहर से भेजा गया था। ।

ईडी ने कर्नाटक के गृह मंत्री से जुड़े संस्थानों पर छापे मारे

✷ वेबवार्ता. बेंगलुरु ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों पर बुधवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तुमकुरु में श्री सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज और श्री सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा बेंगलुरु के बाहरी इलाके में श्री सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में छापे मारे गए। छापेमारी के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। मुख्यमंत्री का टिप्पणी से इनकार कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने ईडी की छापेमारी पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं इसकी जांच करूंगा तभी कुछ कहूंगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों पर छापेमारी की क्या जरूरत है। मेरे गृह मंत्री का किसी मामले में शामिल होना संभव नहीं है। वह एक सभ्य, सरल व्यक्ति हैं। शिवकुमार ने यह भी कहा कि मेरे पास उचित जानकारी नहीं है। इस बारे में मैं जानकारी जुटाता हूं, फिर कुछ कह पाऊंगा। सुरजेवाला ने पिछली भाजपा सरकारों को जिम्मेदार बताया वहीं, कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी और महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने परमेश्वर को एक बड़ा एससी नेता बताया।

ड्रॉ से होगा कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 750 तीर्थ यात्रियों का चयन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। विदेश मंत्रालय ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए कंप्यूटर ड्रॉ के जरिए 750 तीर्थ यात्रियों का चयन किया है। इस बार 5,561 लोगों ने यात्रा के लिए आनलाइन आवेदन किया था। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह की मौजूदगी में विदेश मंत्रालय ने बुधवार को ड्रॉ निकाला। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए इस बार उत्तराखंड के राश्ते से 50-50 यात्रियों के पांच जत्थे और सिक्किम के राश्ते 50-50 यात्रियों के 10 जत्थे भेजे जाने हैं। यात्रा जून-अगश्त के बीच में संपन्न होगी। मंत्रालय द्वारा इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चुने गए यात्रियों को एसएमएस और ई-मेल के जरिये इसकी जानकारी भेजी जा रही है। इसके अलावा यात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा की वेबसाइट (https://kmy.gov.in) पर भी देख सकते हैं। एक हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 भी जारी किया गया है। प्रत्येक बैच में दो सरकारी कर्मी मंत्रालय ने कहा कि 5,561 यात्रियों ने आनलाइन आवेदन किया था। इसमें 4,024 पुरुष और 1,537 महिलाएं शामिल हैं। कुल 750 लोगों का चयन किया गया है, जिनमें प्रत्येक बैच में दो सरकारी कार्मिक भी हैं। यात्रियों की सुरक्षा पर ध्यान बयान में कहा गया है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा के दोनों मार्ग पूरी तरह से यातायात के अनुकूल हैं।

छत्तीसगढ मुठभेड़ में 27 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद, कई घायल

✷ वेबवार्ता. नारायणपुर ✷

छत्तीसगढ़ के चार विभिन्न जिलों के सुरक्षा बलों के जवानों ने बुधवार को हुई मुठभेड़ में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया और कई अन्य घायल हुये हैं। मुठभेड़ के दौरान एक जवान शहीद हो गया और एक अन्य घायल हो गया है। इस मुठभेड़ में कई बड़े नक्सली लीडर या तो फंसे हुए हैं या फिर मारे गये हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र में सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। नारायणपुर जिले के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के माड़ डिवीजन में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) नारायणपुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, डीआरजी बीजापुर और डीआरजी कोंडागांव के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, जिनके पास गृह विभाग का भी प्रभार है, ने बताया कि नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा सीमावर्ती इलाके में बड़ा ऑपरेशन जारी है। सुरक्षाबलों को प्राप्त जानकारी के आधार पर ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है।

इसमें जवानों को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अब तक 27 नक्सली मारे जाने की सूचना मिली है। वहीं इस ऑपरेशन में रूपेश से भी बड़े कमांडर फंसे हुए हैं। ऑपरेशन अभी भी जारी है। इसके साथ ही गृहमंत्री ने यह भी जानकारी दी है कि मुठभेड़ में एक जवान शहीद और कुछ जवान घायल भी हुए हैं। मारे गए सभी माओवादियों के शव जवानों के द्वारा बरामद कर लिए गए हैं। इस मामले की पुष्टि बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने की है। श्री सुंदरराज ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के ओरछा थाना क्षेत्र में स्थित अबूझमाड़ इलाके में आज सुरक्षाबल के जवानों और माओवादियों के बीच जबरदश्त मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में जवानों ने 27 माओवादियों को मार गिराया है। मुठभेड़ के बाद जवानों ने घटनास्थल से मारे गए सभी 27 माओवादियों के शवों को भी बरामद कर लिया है। इसके साथ ही जवानों ने घटनास्थल से माओवादियों के कई हथियार भी बरामद किया है। वहीं इस मुठभेड़ में डीआरजी के एक जवान की शहादत के साथ कुछ जवान घायल भी हुए है। घायल जवानों को तत्काल मेडिकल हेल्प प्रदान की गई है। घायल जवानों की स्थिति खतरें से बाहर है।बस्तर आईजी ने इस घटना में माओवादी संगठन के कई बड़े लीडरों के मारे जाने और घायल होने की भी आशंका जताई हैं। बताया गया कि अभी भी उक्त इलाके में जवानों के द्वारा सर्च ऑपरेशन जारी है।

मुठभेड स्थल पर नक्सलियों के शीर्ष कमांडरों को भी सुरक्षाबलों ने घेर लिया है। इनमें नक्सली लीडर रुपेश और विकल्प के भी फंसे होने की जानकारी सामने आई है। इन दोनों पर सुरक्षा एजेंसियों को लंबे समय से नजर थी और अगर इनकी गिरफ्तारी या मुठभेड़ में मारे जाने की पुष्टि होती है तो यह नक्सल विरोधी अभियान में यह एक बड़ी कामयाबी होगी।

सरकार नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माओवाद की त्रासदी को दूर करने और लोगों के लिए शांति तथा प्रगति का जीवन सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए छत्तीसगढ में एक मुठभेड़ में 27 नक्सिलयों का खात्मा करने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की है।

श्री मोदी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक्स पर एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा, " इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए हमें अपने बलों पर गर्व है। हमारी सरकार माओवाद की त्रासदी को दूर करने और लोगों के लिए शांति तथा प्रगति का जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

श्री शाह ने छत्तीसगढ के नारायणपुर में 27 खूंखार आतंकवादियों के मारे जाने को नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए कहा था कि सरकार अगले वर्ष 31 मार्च से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

भारत ने एक और पाकिस्तानी अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दिया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत ने यहां पाकिश्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को उसकी आपत्तिजनक गतिविधियों के कारण बुधवार को अवांछित घोषित कर दिया और उसे 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया।

विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि भारत सरकार ने नयी दिल्ली में पाकिश्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिश्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के प्रतिकूल गतिविधियों में शामिल होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। उक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया

केंद्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दलील, वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना उचित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दूसरे दिन बुधवार को सुनवाई की और गुरुवार को भी सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार के रुख का बचाव किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस्लामी परंपरा संबंधित वक्फ इस्लाम के तहत एक आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं हैऔर वक्फ बोर्ड धर्मनिरपेक्ष प्रशासनिक कार्य करते हैं। इसलिए ऐसे बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना संविधान के दायरे में है।

श्री मेहता ने कहा, "वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। दान हिंदू धर्म और ईसाई धर्म सहित हर धर्म में मौजूद है, लेकिन शीर्ष अदालत ने फैसला दिया है कि दान एक अनिवार्य धार्मिक प्रथा नहीं है। इसी तरह वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन, उचित खाते और ऑडिट सुनिश्चित करना, सभी प्रकृति में धर्मनिरपेक्ष हैं।"

उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्ड में अधिकतम दो गैर-मुस्लिम सदस्य होने से वक्फ के धार्मिक स्वरुप पर कोई असर नहीं पड़ता है, क्योंकि ये बोर्ड धार्मिक गतिविधियों में हश्तक्षेप नहीं करते हैं।

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा दायर याचिकाओं सहित अन्य में वक्फ कानून के संशोधन को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि यह अनुच्छेद 26 के तहत मुस्लिम समुदाय के अपने धार्मिक मामलों का प्रबंधन करने के अधिकार का उल्लंघन करता है। उनका आरोप है कि संशोधन चुनिंदा रूप से मुस्लिम धार्मिक बंदोबश्तों को लक्षित करता है। साथ ही, अनुचित रूप से कठोर पंजीकरण आवश्यकताओं को लागू करता है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को 3 अप्रैल को लोकसभा और 4 अप्रैल को राज्यसभा ने पारित किया और 5 अप्रैल को राष्ट्रपति ने इस पर हश्ताक्षर किए।

याचिकाकर्ताओं के अनुसार, वक्फ कानून में संशोधन ऐतिहासिक मस्जिदों, कब्रिश्तानों और धर्मार्थ संस्थानों को उनकी धार्मिक स्थिति से वंचित कर सकता है, यदि उनके पास औपचारिक वक्फ विलेख नहीं हैं।

श्री मेहता ने वक्फ कानून के दुरुपयोग संबंधी चिंताओं का जवाब देते हुए कहा कि 2013 के संशोधन के बाद भूमि (वक्फ से संबंधित) में 116 की वृद्धि हुई है, जो निजी और सार्वजनिक भूमि पर वक्फ दावों के व्यापक दुरुपयोग के संबंध में इशारा करता है।

उन्होंने कहा, "निजी और सरकारी भूमि पर वक्फ के रूप में दावे किए गए, जिससे नागरिकों को संपत्ति के अधिकार से वंचित किया गया। कानून वक्फ बनाने के अधिकार से इनकार नहीं करता है, लेकिन कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने पर जोर देता है।" श्री मेहता ने अदालत को आश्वश्त करते हुए कहा, "यह केवल राजस्व और बोर्ड के रिकॉर्ड को सही करने के लिए है। यदि सरकार स्वामित्व चाहती है, तो उसे टाइटल सूट दायर करना होगा। उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए जाने तक कब्जे पर कोई असर नहीं पड़ेगा।" उन्होंने कहा कि धारा 3-सी के तहत आदेशों को वक्फ न्यायाधिकरण के समक्ष चुनौती दी जा सकती है। उसके बाद उच्च न्यायालय या यहां तक कि शीर्ष न्यायालय में अपील की जा सकती है, जिससे बहुश्तरीय न्यायिक उपाय सुनिश्चित होता है। हिंदू बंदोबश्ती की तुलना में मुसलमानों के साथ अनुचित व्यवहार किए जाने के दावे का खंडन करते हुए श्री मेहता ने कहा, "हिंदू बंदोबश्ती पूरी तरह से धार्मिक गतिविधियों से संबंधित है। हिंदू बंदोबश्ती आयुक्त मंदिरों में प्रवेश कर सकते हैं और यहां तक कि पुजारी भी नियुक्त कर सकते हैं। वक्फ बोर्ड धार्मिक गतिविधियों को नियंत्रित नहीं करते हैं, उनकी भूमिका पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष है।"

वक्फ बनाने से पहले किसी व्यक्ति द्वारा पांच साल तक इस्लाम का पालन करने की आवश्यकता के बारे में श्री मेहता ने कहा कि यह कोई मनमाना नियम नहीं है, बल्कि समर्पण के पीछे वाश्तविक धार्मिक इरादे को सुनिश्चित करने के लिए शरिया अधिनियम के तहत सिद्धांतों के अनुरूप है।

उन्होंने कहा, "इसका मतलब यह नहीं है कि किसी को रोजाना पांच बार नमाज अदा करनी होगी। यह वक्फ की धोखाधड़ी वाली घोषणाओं को रोकने के लिए एक सुरक्षा उपाय है।"

उन्होंने वक्फ संपत्तियों को पंजीकृत करने के लिए 100 साल पुराने दश्तावेज पेश करने की आशंकाओं को खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि केवल पिछले पांच वर्षों के दश्तावेजों की आवश्यकता है।

घर से लाखों के गहने और नकदी चोरी

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

ससुराल गए व्यक्ति के होशियारपुर स्थित घर का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपये के गहने और नकदी समेत अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। पड़ोसियों ने वीडियो कॉल कर पीड़ित को घटना की जानकारी दी। सेक्टर-49 पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिकायत में होशियारपुर गांव के गली नंबर सात में रहने वाले नयन कुमार ने बताया कि 11 मई को वह दोपहर एक बजकर 11 मिनट पर मडर्स डे अवसर पर अपने ससुराल दिल्ली गए थे। उसी दिन 11 बजे रात को नयन को उसके पड़ोसी ने कॉल की और बताया कि उनके घर का दरवाजा खुला हुआ है और अंदर रखा सारा सामान बिखरा हुआ है।

पूरे घर का वीडियो बनाकर पड़ोसी ने शिकायतकर्ता के मोबाइल पर भेजा। घटना की जानकारी होते ही नयन तुरंत ससुराल से अपने घर की तरफ रवाना हो गए। घर पहुंचकर शिकायतकर्ता ने तहकीकात की तो सामने आया कि चोर एक सोने की चेन, एक मंगलसूत्र, सोने की बालियां, सोने का ओम लिखा लॉकेट, सोने की अंगूठी, सोने की नथ, करीब एक लाख रुपये के चांदी के गहने, सिक्के और 25 हजार रुपये की नकदी चुराकर ले गए हैं। इसके बाद शिकायतकर्ता ने डॉयल-112 पर कॉल करके पुलिस को घटना की जानकारी दी।

घर के बाहर से जज की कार चोरी

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर 11 में रहने वालीं महिला जज के घर के बाहर से उनकी कार चोरी हो गई। वह दिल्ली के कडकडडूमा कोर्ट में जज हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती एनआइ एक्ट डिजिटल कोर्ट दो में है।

मामले की शिकायत सेक्टर-24 थाने में की गई है। महिला के मुताबिक उन्होंने 18 मई की रात अपनी कार घर के बाहर खड़ी की थी। कार पर जज का स्टीकर भी लगा हुआ था। सुबह देखा तो मौके पर कार नहीं थी। सीसीटीवी चेक करने पर पता चला कि चोर रात करीब दो बजकर 50 मिनट पर घर के बाहर आए और कार चोरी कर फरार हो गए। आरोपी की गिरफ्तारी और कार की बरामदगी के लिए एक टीम गठित कर दी गई है।

किशोरी संदिग्ध हालात में लापता

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

आगहपुर गांव स्थित घर से 15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने सेक्टर-49 थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए एक टीम गठित की गई है।

पुलिस को दी शिकायत में महेंद्र मंडल ने बताया कि वह किराये के मकान में परिवार के साथ रहते हैं। 18 मई को शिकायतकर्ता की 15 वर्षीय बेटी घर पर बिना किसी को बताए कहीं चली गई। लोक लाज की वजह से तीन दिन तक शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना किसी को नहीं दी और बेटी को तलाशते रहे। जब बेटी नहीं मिली तो शिकायतकर्ता ने मंगलवार को थाने में घटना की जानकारी दी।

इंजीनियर का घर चोरों ने खंगाला

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

सेक्टर-71 के ए ब्लॉक स्थित एक घर में किराए पर रहने वाले इंजीनियर के घर में 18 मई को चोरी हो गई। घटना के समय पीड़ित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे।

पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित विवेक जाखड़ ने बताया कि वह पेशे से इंजीनियर हैं। वह एक घर में किराए पर कमरा लेकर रहते हैं। 18 मई की सुबह वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। रात में जब घर लौटे तो कमरे का ताला टूटा हुआ था। अंदर घुसकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था।

जांच करने पर पता चला कि चोर उनके घर से लैपटॉप, नकदी, जूते, चप्पल और कपड़ों के अलावा कीमती सामान चोरी कर लिए। पीड़ित की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पंचमुखी जनता फ्लैट में स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया गया

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित पंचमुखी जनता फ्लैट में बुधवार को बिसरख सीएचसी के द्वारा स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया गया। कैंप में करीब आठ लोगों ने आकर अपनी जांच कराई। इस दौरान दो बच्चों को पीलिया की शिकायत मिली।

सेक्टर 3 के डी ब्लॉक स्थित पंचमुखी जनता फ्लैट में करीब 600 परिवार रहते हैं। सोसाइटी में ज्यादातर बच्चों के पीलिया की चपेट में आने के मामले सामने आ रहे। जिसको देखते हुए बिसरख सीएचसी के द्वारा एक कैंप लगाया गया। डॉक्टरों ने जाकर सोसाइटी में लोगों की जांच करी।

आगरा में रेलवे के 122 साल बाद अब मेट्रो ने बनाई टनल

14 किमी में बनेंगे 13 स्टेशन

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) शहर के बीचों-बीच करीब सात किलोमीटर लंबी मेट्रो टनल बना रही है। आधुनिक तकनीक से लैस टीबीएम मशीन टनल का निर्माण कर रही हैं। ताजमहल मेट्रो स्टेशन से लेकर आरबीएस कॉलेज तक लगभग टनल तैयार है। इसी सप्ताह में मेट्रो मनकामेश्वर मंदिर पर अप लाइन के कॉरिडोर में पहला ब्रेक थ्रू लेने की तैयारी में है। लेकिन, ये शहरवासियों के लिए नया नहीं है। 122 साल पहले रेलवे की टनल बनी थी। ब्रिटिशकाल में बेलनगंज व सेंट जोंस के पास 323 मीटर लंबी रेलवे टनल बनाई गई थी।

बता दें कि यूपीएमआरसी आगरा में 29.4 किलोमीटर लंबे दो कॉरिडोर का मेट्रो नेटवर्क तैयार कर रहा है। पहला कॉरिडोर ताजमहल पूर्वी गेट से सिकंदरा के बीच 14 किमी लंबा निर्माणाधीन हैं, जिसमें 13 स्टेशनों का निर्माण होगा। छह एलिवेटेड और सात भूमिगत स्टेशन होंगे। ताजमहल मेट्रो स्टेशन से लेकर आरबीएस कॉलेज तक करीब सात किलोमीटर की टनल है। आगरा में ये दूसरी रेलवे टनल है। इससे पहले 1903 में ब्रिटिश सरकार ने आगरा सिटी रेलवे स्टेशन और राजा की मंडी रेलवे स्टेशन के बीच में बेलनगंज और सेंट जोंस के पास 323 मीटर मीटर लंबी रेलवे सुरंग बनाई गई थी, जिसमें आज भी अप और डाउन में ट्रेन चलती हैं।

जानकार बताते हैं कि फ्रेंच और ब्रिटिश इंजीनियरों के नेतृत्व में गुजरात के कर्मचारियों ने डाट पद्धति से ईंटों से बनाया था। इस पर आज पूरी तरह से शहर बसा हुआ है। 122 साल बाद आगरा मेट्रो टीबीएम और पूरे स्ट्रेक्चर के साथ टनल निर्माण कर रही है। मनकामेश्वर मंदिर पर इसी सप्ताह में अप और डाउन की दोनों टीबीएम ब्रेक थ्रू करेंगे। इसके बाद टनल में सिग्नल का कार्य शुरू होगा। पूर्व में 11 महीने के अंदर तीन किलोमीटर टनल निर्माण का रिकार्ड मेट्रो बना चुकी है।

इसलिए बनाई गई थी बेलनगंज टनल

वर्ष 1911 में यूनाइटेड प्राविंस ऑफ आगरा एंड अवध के गजेटियर में दर्ज है कि आगरा में वर्ष 1900 की शुरुआत से ही औद्योगिकीकरण शुरू हो गया था। वायसराय लार्ड कर्जन ने आगरा में उद्योग, व्यापार के प्रोत्साहन के लिए गधापाड़ा में मालगोदाम, सिटी स्टेशन, बेलनगंज में सुरंग, यमुना नदी पर स्ट्रेची ब्रिज के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। नार्थ वेस्ट प्राविंस के लेफ्टिनेंस गवर्नर रहे स्ट्रेची ने आगरा की औद्योगिक इकाइयों के उत्पादों को देशभर में पहुंचाने के लिए रेलवे नेटवर्क का इस्तेमाल किया था। यहां जोंस मिल समेत दरी उद्योग, चमड़ा, आटा, दाल मिल, प्रिंटिंग और जूट का बड़ा काम था।

जुलाई में यात्रियों के लिए शुरू होगी मेट्रो

यूपीएमआरसी जुलाई-2025 तक आईएसबीटी तक मेट्रो सेवा यात्रियों के लिए शुरू करने की तैयारी में है। तेजी से कार्य भी हो रहा है। भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हैं। करीब 150 मीटर फाइनल ब्रेक थ्रू रह गया है। इस सप्ताह में इसे भी करने का दावा मेट्रो के अधिकारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रायोरिटी दावा क कॉरिडोर के बाद मेट्रो सेवा आईएसबीटी तक शुरू की जाएगी। ये भाग काफी अहम है।

यूपी में अब बीएसए पर फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी पाने का आरोप, अपर प्रमुख सचिव से शिकायत

भदोही, एजेंसी। यूपी के अब भदोही जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह पर फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी पाने का आरोप लगा है। यह आरोप गोपीगंज क्षेत्र में जखांव गांव निवासी अशोक कुमार मिश्र ने लगाया है। उन्होंने अपर प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा विभाग) समेत कई अफसरों को पत्र भेजकर मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की।

शिकायतकर्ता के मुताबिक भूपेंद्र नारायण सिंह पं. दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से बीएड का फर्जी मार्कशीट लगाकर 16 जनवरी, 1991 को शिक्षक बने। श्री भगवंत मान इंटर कॉलेज अहिमित, केराकत (जौनपुर) में उनकी सहायक शिक्षक पद पर नियुक्ति हुई। वह 25 अक्तूबर, 2010 तक वहां कार्यरत रहे। फर्जी मार्कशीट के जरिए उन्होंने 26 अक्तूबर, 2010 को बांदा में सीनियर लेक्चरर की नौकरी हासिल की। वर्ष 1987 में जारी किए गए उनके बीएड मार्कशीट का अनुक्रमांक 18587 है। शिकायतकर्ता का दावा है कि भूपेंद्र नारायण सिंह ने कूटरचित ढंग से मार्कशीट तैयार की। सच्चाई यह है कि वह 1987 में बीएड में फेल हो गए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि भूपेंद्र नारायण सिंह करीब 35 वर्ष से फर्जी डिग्री के जरिए नौकरी कर रहे हैं। वह इतने साल से वेतन ले रहे हैं। सबसे बड़ा खेल यह है कि उनकी बीएड की मार्कशीट सन् 1985 में गाजीपुर एवं सन् 1987 डोभी (जौनपुर) से है। भदोही बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि औराई ब्लॉक क्षेत्र में बंजारी प्राथमिक विद्यालय में अशोक कुमार मिश्र सहायक अध्यापक थे। उनके खिलाफ शिकायत की गई। जांच में उनकी बीएड मार्कशीट और डिग्री फर्जी मिली। पिछले वर्ष 28 जून को उनकी सेवा समाप्त कर दी गई।

'अमृत भारत स्टेशन योजना' ने बदला ओरछा और पुखरायां स्टेशन का स्वरूप पीएम मोदी 22 मई को करेंगे उद्घाटन

✷एनसीआर टुडे. झांसी ✷

भारत सरकार और रेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के प्रथम फेज में चयनित और पुनर्विकसित स्टेशनों का लोकार्पण 22 मई को किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित 103 स्टेशनों का लोकार्पण संपन्न होगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत झांसी रेल मंडल के भी दो स्टेशनों का पुनर्विकास किया गया है।

दरअसल, ओरछा और पुखरायां स्टेशन को विकसित भारत की संकल्पना को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। ओरछा रेलवे स्टेशन को 6.5 करोड़ रुपए की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया गया है। इससे यहां के स्थानीय नागरिकों के साथ ही इस नगर में पूरी दुनिया से आने वाले पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

इस स्टेशन को ओरछा मंदिर की तर्ज पर डिजाइन किया गया है। यहां राजा राम और हनुमान जी की मूर्तियां भी स्थापित की गई हैं। यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन के लिए सर्कुलेटिंग एरिया का विश्तार किया गया है। सर्कुलेटिंग एरिया की बाउंड्री वॉल पर रामायण के दृश्य को दर्शाया गया है। साइकिल और अन्य गाड़ियों के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। इसके अलावा, यहां पर टिकटिंग के लिए आधुनिक और सुविधाजनक टिकट काउंटर बनाए गए हैं और एटीवीएम की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यात्री प्रतीक्षालय को यात्रियों की सुविधा हेतु आधुनिक और आरामदायक बनाया गया है।

झांसी मंडल के डीआरएम दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि ओरछा और पुखरायां स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है। यात्रियों की सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन के लिए यहां सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। दिव्यांगजनों के लिए शौचालय और रैंप बनाए गए हैं। साथ ही अन्य यात्रियों के लिए पे-एंड-यूज टॉयलेट भी बनाए गए हैं। दोनों ही स्टेशनों में बदलाव दिखाई देगा, जो विकसित भारत की झलक को पेश करता है।

बता दें कि पुखरायां रेलवे स्टेशन को 7.22 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है। इससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। इस पुनर्विकास कार्य के तहत स्टेशन के सर्कुलेटिंग क्षेत्र का विकास और जल निकासी में सुधार किया गया है। साथ ही मौजूदा स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार के अतिरिक्त एक वीआईपी कक्ष का प्रावधान, प्रतीक्षालय में सुधार, कवर ओवर प्लेटफॉर्म और प्लेटफॉर्म सरफेसिंग का विश्तार किया गया है।

संभल के प्रमुख चौराहों पर प्रतिमाएं लगाये जाने का प्रस्ताव पारित, विधायक ने की आलोचना

✷एनसीआर टुडे. संभल ✷

संभल नगर पालिका ने शहर के मुख्य चौराहों पर कुछ चुनिंदा हश्तियों की प्रतिमाएं लगाने का प्रश्ताव पारित किया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के क्षेत्रीय विधायक इकबाल महमूद ने इसकी आलोचना की है।

संभल नगर पालिका के वार्ड संख्या 18 से भारतीय जनता पार्टी की पार्षद चंचल सनी गुप्ता ने बुधवार को बताया कि हाल ही में नगर पालिका की बैठक में उन्होंने शहर के प्रमुख चौराहों पर प्रतिमाएं लगाने का प्रश्ताव रखा था।

इनमें चंदौसी चौराहे पर पृथ्वीराज चौहान, शंकर चौराहे पर भगवान परशुराम, सद्भावना पार्क के पास माता अहिल्याबाई होल्कर, मोहल्ला ढेर पार्क में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और नखासा चौराहे के पास पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमाएं लगाये जाने का प्रश्ताव शामिल था।

गुप्ता ने बताया कि बोर्ड ने सर्वसम्मति से प्रश्ताव पारित कर दिया है और तीन प्रतिमाओं पर काम शुरू हो चुका है। उनके अनुसार सम्राट पृथ्वीराज चौहान, भगवान परशुराम और माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमाएं पहले लगाई जाने की उम्मीद है। हालांकि, संभल सदर सीट से सपा के विधायक इकबाल महमूद ने इस फैसले की आलोचना की है।

महमूद ने संवाददाताओं से कहा कि वह मूर्तियां लगाये जाने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन उच्चतम न्यायालय ने मूर्तियों की स्थापना पर रोक लगायी है अतः चौराहों पर मूर्तियां लगाना अदालत के आदेश की अवहेलना होगा।

महमूद ने कहा, "मैंने उच्चतम न्यायालय के आदेश की एक प्रति जिलाधिकारी कार्यालय को भेज दी है ताकि उन्हें किसी भी तरह की मुश्किल का सामना न करना पड़े। मेरी आपत्ति मूर्तियों पर नहीं बल्कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के संभावित उल्लंघन को लेकर है।"

सपा विधायक इकबाल महमूद के विरोध के बारे में पूछे जाने पर पार्षद चंचल सनी गुप्ता ने कहा, "एक बार नगर निगम बोर्ड ने प्रश्ताव पारित कर दिया है तो विधायक उसमें हश्तक्षेप नहीं कर सकते।"

संभल नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी ने पुष्टि की कि प्रतिमा स्थापना का प्रश्ताव नगर पालिका बोर्ड ने पारित कर दिया है और इस पर चरणबद्ध तरीके से काम हो रहा है। उच्चतम न्यायालय के आदेश को लेकर सपा विधायक की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर तिवारी ने आश्वासन दिया कि प्रतिमा स्थापना का काम 'नियमानुसार' किया जाएगा।

सांसदों को विदेश भेजने को लेकर कांग्रेस ने पीएम मोदी पर उठाए सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सर्वदलीय सांसदों के समूह विदेश जाने की तैयारी में हैं। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सभी दलों के सांसदों को विदेश भेजने के फैसले के बारे में इसलिए सोचा ताकि वह उन कठिन सवालों का जवाब देने से बच पाएं, जिनके लिए उन्हें वहां बुलाया जा रहा है। बकौल रमेश वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की छवि खराब हो चुकी है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए रमेश ने लिखा, 1950 के दशक के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों को हर अक्तूबर-नवंबर में संयुक्त राष्ट्र में भेजा जाता रहा है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में ही इस परंपरा को बंद कर दिया था। लेकिन अब जबकि वह हताश हैं, तो अचानक से उन्हें सभी पार्टियों के सांसदों की याद आई। कांग्रेस नेता ने कहा, पीएम मोदी ने यह फैसला लिया क्योंकि वह वैश्विक और घरेलू स्तर पर पूछे जाने वाले सवालों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की छवि को धक्का लग चुका है। जयराम रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी का एक वीडियो साझा करते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा। इस वीडियो में अटल बिहारी बता रहे हैं कि कैसे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उन्हें विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया, जिससे विदेश में उनका इलाज हो सके। वीडियो के कैप्शन में जयराम ने लिखा, मनुष्य के प्रमुख गुण अच्छाई, शालीनता और मानवता होते हैं.. यह गुण नरेंद्र मोदी में उपस्थित नहीं है। इस वीडियो के जरिए हम किसी प्रधानमंत्री के मार्मिक और सुलझे हुए रूप को समझ सकते हैं, जो कि उनके धुर-विरोधी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने खुद बताए थे। शनिवार को कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि सरकार ने उससे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए प्रतिनिधिमंडलों में शामिल करने के लिए चार सांसदों के नाम भेजने के लिए कहा था।

शादी के नाम पर 25 पुरुषों को ठगने वाली महिला पकड़ी गई

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान पुलिस ने भोपाल से एक 23 साल की महिला को गिरफ्तार किया है। महिला पर आरोप है कि उसने शादी के बहाने लगभग 25 पुरुषों को ठगा था। महिला की पहचान अनुराधा पासवान के रूप में हुई है,जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के महाराजगंज की रहने वाली है। राजस्थान के सवाई माधोपुर में विष्णु शर्मा और उनके परिवार को कथित तौर पर धोखा देने के बाद वह कुछ समय से भोपाल में रह रही थी।

सवाई माधोपुर के मानटाउन पुलिस स्टेशन के अनुसार, विष्णु शर्मा सवाई माधोपुर में ठेला चलाते हैं और वह शादी करना चाहते थे। तबी एक पप्पू मीणा नाम का व्यक्ति संपर्क में आया। उसने उन्हें अनुराधा की तस्वीर दिखाई। विष्णु शर्मा ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि मीणा लड़कियों को मैचमेकिंग के लिए एक स्थानीय पार्क में लाते थे और वहीं उनकी मुलाकात अनुराधा से हुई और उन्होंने शादी करने का फैसला किया। यह शादी 19 अप्रैल को स्थानीय अदालत में हुई थी। शर्मा ने

बताया कि उन्होंने मीणा को 2 लाख रुपये नकद दिए थे,जिसमें उधार लिए गए पैसे भी शामिल थे। पप्पू मीणा ने ही यह रिश्ता तय करवाया था।

शादी के बाद वह और अनुराधा पति-पत्नी के रूप में साथ रहने लगे। विष्णु शर्मा ने बताया,उनकी कार्यप्रणाली के अनुसार,गिरोह के सदस्य शादी के 5-7 दिनों के भीतर आधी रात को अनुराधा को उठा ले जाते थे। विष्णु शर्मा ने आगे कहा कि हालांकि,मेरा फास्ट-फूड का ठेला है और इसलिए मैं रात 10.30 बजे तक ही लौट पाता था, फिर खाना खाता था और आधी रात के बाद तक टेलीविजन देखता था। इस दौरान कोई न कोई देर रात तक जागता रहता था, इसलिए हमें धोखा देने में उसे 13 दिन लग गए।

2 मई को,अनुराधा ने कथित तौर पर अपने ससुराल वालों को दिए गए खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। शर्मा ने कहा कि हमने छोले-भटूरे बनाए थे लेकिन मुझे शक है कि उसने पानी में कुछ मिलाया था। उस रात भी मैंने उससे पूछा था कि मेरी आंखें इतनी भारी क्यों लग रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह थोड़ा अजीब व्यवहार कर रही थी। हालांकि, वह सो गए। पुलिस ने बताया कि जब वे अगली सुबह जागे,तो उन्हें पता चला कि वह गहने,नकदी और एक मोबाइल फोन लेकर घर से भाग गई थी। सहायक उप-निरीक्षक मीठा लाल यादव ने बताया कि 3 मई को विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी,जिसमें धोखाधड़ी से संबंधित धाराएं भी शामिल हैं।

उप-निरीक्षक मीठा लाल यादव ने बताया कि हमने मैरिज एग्रीमेंट देखा,जिसमें उसका पता लिखा था और भोपाल में उस जगह पहुंचे। हमें पता चला कि उसके द्वारा दिया गया पता झूठा था।

आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है', राजीव गांधी को याद कर राहुल गांधी ने शेयर किया भावुक पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उन्हें याद किया है। राहुल गांधी ने अपने पिता के नाम एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया। उन्होंने लिखा कि पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दो तस्वीरों को शेयर किया। एक तस्वीर में वह अपने पिता के साथ बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर राजीव गांधी की समाधि स्थल की है, जहां राहुल अपने पिता को हाथ जोड़कर श्रद्धांजलि देते हुए नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी ने इन तस्वीरों के साथ एक भावुक संदेश भी साझा किया। उन्होंने लिखा, पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। इससे पहले कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने लिखा, स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वीर भूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राजीव गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व ने हमारे राष्ट्र की नींव को बदल दिया, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित है। उनकी स्थायी विरासत हमारे दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती रहती है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भी राजीव गांधी को याद किया।

दहेज हत्या के आरोप में रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में मंगलवार को महिला की मौत के मामले दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर छानबीन कर रही है। कमल विहार कॉलोनी में ट्रक चालक रिंकू खान की पत्नी निशा का शव मंगलवार को कमरे में फंदे पर लटका मिला था। मैनपुरी निवासी निशा के पिता हसमुद्दीन ने बताया कि शादी के बाद से ही बेटी की सास वहीदन, ससुर इसाक, ननद रुबीना, जेठ इसरार व जेठानी चांदनी बेटी के साथ दहेज कम लाने की बात कहकर मारपीट करते थे। बेटी को तीन संतान होने के बाद भी दहेज की मांग कर रहे थे। आरोप है कि पति ट्रक चलाने के चलते अक्सर बाहर रहता है, जिसके चलते ससुराली परेशान कर रहे थे। सोमवार रात बेटी ने भाई को फोन करके बताया कि ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की है। उसे जान से मारने की बात कर रहे हैं। अगले दिन भाई ससुराल पहुंचा तो बहन फंदे पर लटकी मिली। एसीपी अंकुर विहार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदा लगाकर आत्महत्या की पुष्टि हुई है। लटकने से मौत होने की पुष्टि हुई है। परिजनों ने पति पर आरोप नहीं लगाए हैं। ससुरालियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

महिला की मौत के मामले में छह के खिलाफ केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदी नगर के गांव कलछीना में आठ दिन पहले हुई महिला की मौत के मामले में पति सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि दहेज में कार न मिलने पर हत्या की गई थी। गांव कलछीना स्थित सुकूनगढ़ी में 13 मई को कुसुमलता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मृतका के पिता महेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज में कार की मांग कर रहे थे। 12 मई को बेटी ने फोन कर बताया था कि कार न लाने पर ससुराल के लोग परेशान कर रहे हैं। 13 मई को उसकी मौत की सूचना मिली। इस संबंध में महेंद्र सिंह ने भोजपुर थाने में तहरीर दी है। एसीपी ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि पति मदनपाल सिंह, ससुर भागमल, सास मुनेश, देवर सुनील, निशांत और ननद गीता पर केस दर्ज किया गया है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर की गई ग्रीष्मकालीन अवकाश की मांग

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका कार्यकत्री एसोशिएशन बिजनौर ने मुख्यमंत्री को संबोधित जिलाधिकारी को दिये गये ज्ञापन में भंयकर गर्मी के प्रकोप को देखते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों को ग्रीष्मकालीन अवकाश दिये जाने की मांग की है। जिलाध्यक्ष शीला देवी के नेतृत्व में दिये गये ज्ञापन में कहा गया है कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर 03 से 05 वर्ष के बच्चे आते है जिनको गर्मी के प्रकोप से बचाने के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश आवश्यक है, वही राशन वितरण में फोटो कैप्चर प्रणाली को भी बन्द करने की मांग की गई है। इस अवसर पर पूनम देवी, निशा शर्मा आदि कार्यकत्रियां भी मौजूद रही।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में समर कैंप के अंतर्गत खेल व्यायाम एवं शैक्षिक भ्रमण

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷। भारतीय शिक्षा समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अफजलगढ़ (बिजनौर)में प्रधानाचार्य श्री प्रकाश वीर आर्य के दिशा निर्देशन में समर कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 'मैं हूं देशज', 'योग एवं व्यायाम ', रस्साकशी, रस्सी कूद, म्यूजिकल चेयर का खेल ,कल्पनाशील कहानी, भाषा वृक्ष आदि गतिविधियों में कुणाल, दिव्यांशु ,ध्रुव, निमिष, शौर्य प्रताप, भूपेश, वैभव वर्मा\, अल्फैज, सउद अब्दुल्ला ,माधव खेडेवाल, शांतनु खेडेवाल, रानू, लक्ष्य ,पावनी, मनसा रश्तोगी, कशिश, भूमिका, अनोखी अंजलि ,माही, महिमा, लवली आदि छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विभिन्न गतिविधियों के दौरान छात्र-छात्राएं समश्त गतिविधियों का आनंद लेते हुए दिखाई पड़े ।छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी एवं आनंद से खिले हुए थे। इस अवसर पर विज्ञान वर्ग की छात्र-छात्राओं को विजयनगर में स्थित मनोज कुमार वर्मा के आवास पर शैक्षिक भ्रमण कराया गया। जिसमें उनके उद्यान में उगाई गई विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों की जानकारी दी गई। विभिन्न व्यवस्थाओं में श्री ओमकार सिंह, अमरीश कुमार, राजीव कुमार गुप्ता, कल्याण सिंह, उरेश कुमार, मनोज कुमार, आनंद भूषण यादव आदि की सहभागिता रही।

समर कैंप का हुआ विधिवत प्रारंभ

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। कॉम्पोसिट स्कूल सैदपुरी महिचंद में समर कैंप का आयोजन किया गया। नगीना सैदपुरी महीचंदजिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कैंप में बच्चों को विभागीय निर्देशानुसार प्राप्त शेड्यूल के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया गया। बच्चों ने समर कैंप में बहुत आनंददायक और उत्साह से प्रतिभाग किया, जिससे सीखने की प्रक्रिया मजेदार और आनंददायक बन गई। इस कैंप के आयोजन में प्रशिक्षक मिस मोनिका राजपूत और रीता रानी ने सराहनीय कार्य किया। बच्चों को सुंदर गतिविधियों में शामिल किया। कार्यक्रम में बच्चों की उत्साह जनक भागीदारी रही। समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को गर्मी की छुट्टियों के दौरान रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करना है, जिससे वे अपने कौशल को विकसित कर सकें और नए अनुभव प्राप्त कर सकें। इस तरह के आयोजनों से बच्चों को स्कूल से जुड़े रहने और अपने शौक को पूरा करने का अवसर मिलता है। एसएमसी प्रबंधक एवं ग्राम प्रधान सैदपुरी महीचंद एवं जमालपुर बंगर ने इस समर कैंप के आयोजन से बच्चों को न केवल मनोरंजन का अवसर मिला, बल्कि उन्हें नए कौशल और ज्ञान भी प्राप्त हुए।

किशोरी को अगवा कर जबरन शादी कराने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर की एक कॉलोनी निवासी किशोरी को अगवा कर बागपत ले जाकर जबरन शादी कराने का मामला सामने आया है। परिजनों ने किशोरी को बंधनमुक्त कराकर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नगर की एक कॉलोनी में 17 वर्षीया किशोरी परिवार के साथ रहती है।

दुर्घटना में किसान नेता व मासूम की मौत

सड़क किनारे खड़ी ट्राली में घुसी कार, रिफ्लेक्टर न होना बना दुर्घटना का कारण

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

अर्धरात्रि में लगभग 1:30 बजे सड़क हादसे में किसान नेता अंकित नरवाल तथा एक बालिका की मौत हो गई जबकि दर्जन भर लोग घायल हो गए। दुर्घटना सड़क किनारे खड़ी बिना रिफ्लेक्टर की ट्राली में पीछे से कार टकराने के कारण हुई।

अमरोहा जिले के थाना मंडी धनोरा के अंतर्गत आने वाले गांव सोलापुर और केसर के कुछ लोग बच्चों के साथ मुंडन संस्कार के लिए ट्रैक्टर ट्राली से हरिद्वार जा रहे थे। ट्रैक्टर ट्राली में रिफ्लेक्टर नहीं लगे हुए थे रात्रि में लगभग 1:30 बजे मंडावर रोड पर ग्राम हमीरपुर के सामने ट्रैक्टर ट्राली को सड़क किनारे खड़ा कर दिया तथा कुछ लोग लघु शंका के लिए उतर गए। इस दौरान स्विफ्ट कर से अपने घर आ रहे भारतीय किसान यूनियन और राजनीतिक के मोहम्मदपुर देवमल ब्लॉक अध्यक्ष अंकित निरवाल पुत्र देवेंद्र सिंह निवासी गांव काजीवाला तथा सौरभ राजपूत पुत्र प्रीतम सिंह निवासी ग्राम लायक पुरी इधर से गुजर रहे थे जो सामने से आ रहे ट्रक से बचने के लिए साइड में सड़क से नीचे उतरी तो ट्रक की तेज लाइट और ट्राली के पीछे रिफ्लेक्टर न लगे होने के कारण उन्हें ट्राली नहीं दिखाई

दी कार ट्राली में घुस गई।

घटना के बाद चीख पुकार मच गई, गश्त पर जा रही पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को बाहर निकाला तथा थाने में सूचना दी कार में सवार अंकित नरवाल तथा सौरभ राजपूत के अलावा ट्रैक्टर ट्राली में सवार राजेंद्र सुधा रचना रविंद्र मनोज मिस्टी समेत एक दर्जन से अधिक घायलों का अस्पताल पहुंचाया गया जिसमें अंकित नरवाल 30 वर्ष और मिस्टी 3 वर्ष को मृत घोषित कर दिया गया।

सौरव राजपूत को निजी अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है | अंकित नरवाल की मृत्यु की सूचना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह जिला अध्यक्ष नितिन सिरोही समेत बड़ी संख्या पर किसान नेताओं सामाजिक और राजनीतिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने मृतक के घर पहुंच कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। आज दोपहर बाद उनके शव का अंतिम संस्कार गंगा घाट पर किया गया।

कॉपीराइट कर बनाये जा रहे नकली ब्रश बरामद

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

ब्रश व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने कापीराइट कर बनाये जा रहे नकली

बने व अधबने ब्रश सहित अन्य सामान बरामद किया। मोहल्ला काजियान

निवासी गुलरेज ब्रश कम्पनी के स्वामी तैय्यब आजाद के पुत्र अलमास ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि उनकी कम्पनी के नाम से कॉपीराइट कर नकली ब्रश दूसरे व्यापारी द्वारा अवैध रूप से बनवाये जा रहे है। जिस पर उन्होंने अपने लीगल एडवाइजर के माध्यम से स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

जिस पर कस्बा इंचार्ज विपिन कुमार ने शेरकोट अफजलगढ़ रोड स्थित भनोटी पुलिया के पास छापेमारी करते हुए पिकअप गाड़ी को पकड़ा। जिसमें उनकी कम्पनी के नकली ब्रश बरामद हुए।

पुलिस द्वारा पिक अप चालक से पूछताछ की गई तो उसने बताया उक्त ब्रश न्यू ग्रीन इंडिया के स्वामी मोहल्ला खुराडा निवासी सुल्तान पुत्र नसीम के है। बताया जाता है कि चालक से पूछताछ के दौरान पिक अप में पीछे बैठा आरोपी सुल्तान भाग गया। शिकायतकर्ता की तहरीर पर पुलिस ने कॉपीराइट कर दूसरे की फर्म के ब्रश बनाने के आरोपी सुल्तान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। सूत्रों का कहना है कि लगभग 2 माह पूर्व भी उक्त आरोपी के ब्रश कारखाने से नकली ब्रश बरामद हो चुके है।

खो बैराज पर नहा रहे युवक की डूबकर मौत, परिवार में कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

दोश्तो के साथ खो बैराज मे नहाने के दौरान एक युवक की डूबने के कारण मृत्यु हो गयी। मृतक दो बहनो का इकलोता भाई था। इसी साल हाईस्कूल परीक्षा में उतीर्ण किया था। युवक की मौत से परिजनो मे कोहराम मच गया तथा नगर मे शोक की लहर दौड़ गयी।

मोहल्ला कायस्थान निवासी शाहिद (खोल वाले) का इकलौता पुत्र मौहम्मद सिराज 16 वर्ष मंगलवार देर शाम अपने दोश्तों के साथ खो बैराज स्थित नहर पर नहाने गया था जहा अचानक पानी में डूबने लगा साथ नहाने वालो द्वारा शोर मचाने पर पास ही मौजूद अन्य लोगो व गोताखोरो ने मौहम्मद सिराज को बाहर निकाला तथा उपचार हेतू धामपुर लेकर गये जहा चिकित्सको द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। मौहम्मद सिराज की मृत्यु की सूचना से परिजनो मे कोहराम मच गया तथा नगर

पहली बार गया था नहाने

शेरकोट। खो बैराज में डूब कर मरने वाले मौहम्मद सिराज के परिजनो के मुताबिक सिराज कभी भी खो बैराज पर नहाने नही जाता था। कल मोहल्ले के कुछ युवक उसे साथ ले गये थे, पहली बार सिराज नहाने खो बैराज पर गया था जहा उसके साथ यह हादसा हो गया ओर अब वह कभी लोट कर नही आयेगा।

लगातार सखी के बावजूद खो बैराज में नहाने से बाज नहीं आते युवा

शेरकोट। जान जोखिम में डाल कर खो बैराज क्षेत्र मे नहाने वालो को लेकर मिडिया कर्मियों द्वारा कई बार जागरुकता फैलाने का काम किया तो वही पुलिस द्वारा सख्ती दिखाने के बाद भी जज्बाती युवा मानने को तैयार नही पुलिस के अनुसार रोजाना खो बैराज स्थल पर पुलिस ड्यूटी रहती है। तथा कोबरा भी गश्त पर रहती है।

पुलिस को देख नहाने वाले लोग भाग जाते है। बाद में फिर नहाना शुरु कर देते हैं। वही खो बैराज पर मौजूद सिंचाई विभाग के कर्मचारी तो इन युवाओ पर कोई ध्यान नही देते। जिसके चलते यह युवा बेखोफ नहाते है। जबकि खो बैराज क्षेत्र में नहाने पर पूर्ण रुप से पाबन्दी है।

में भी शोक की लहर दोड गयी बताया जाता हैं कि मृतक मौहम्मद सिराज दो बहनो का इकलौता भाई था। तथा इसी साल हाईस्कूल परीक्षा में उतीर्ण किया था।

मौहम्मद सिराज की मृत्यु की खबर फैलते ही नगर व क्षेत्र के राजनैतिक व सामाजिक लोगो ने मृतक के आवास पर पहुँच परिजनो को सांत्वना देते हुए मृतक को खिराजे अकीदत पेश की तथा परिजनो को दुख सहन करने की दुआ की।

गन्दगी फैलाने पर खोमचे वालो को चेतावनी के साथ थमाया नोटिस एक का कटा चालान

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर में साफ सफाई अभियान की विशेष पखवाड़े के चलते सफाई अधिकारी द्वारा गली मोहल्लों का निरीक्षण कर विशेष रूप से सड़को व नालियों की सफाई कराई जा रही है साथ ही गंदगी फैलाने वालों को नोटिस देकर चेतावनी भी दी गई तथा कुछ खोमचे वालों के चालान भी काटे गए।

नगर पालिका के साफ सफाई अधिकारी धीरज राय वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों द्वारा नगर की गली मोहल्ले की सड़कों व नालियों की सफाई एक अभियान चलाकर की जा रही है।

लेकिन कुछ गंदगी फैलाने वाले नगर के सामाजिक लोग उसके बाद भी गंदगी फैलाने से बाज नहीं आ रहे जिसमें आज उप जिलाधि कारी के आदेश पर व अधिशासी अधिकारी संदीप सक्सेना की अनुमति पर पांच खोमचे वाले जिनमे मुकेश पुत्र महावीर लालसराय नगीना, रॉबिन पुत्र शेर सिंह कस्बा कोटरा, अनमोल पुत्र चंद्रपाल सैनी लालसराय नगीना, पप्पू सैनी पुत्र राम सिंह लालसराय नगीना, जोंटी पुत्र रमेश लालसराय नगीना व सलीम पुत्र हनीफ कस्बा कोटरा को इस उद्देश्य से नोटिस दिया गया कि वह जहां खोमचे का ठेला लगाएं वहां सड़क व नाले में कूड़ा ना डालने के लिये चेतावनी दी गई। एक खोमचे वाले का चेतावनी के साथ 100 रुपए का चालान भी काटा गया। इस अवसर पर स्वच्छता अधिकारी धीरज राय के साथ सुपरवाइजर

सुभाष कुमार, रोहित कुमार व कर्मचारी आदि रहे। वहीं सफाई सुपरवाइजर अरविंद वाल्मीकि व बिट्टू वाल्मीकि ने अपनी सहयोगी कर्मचारियों की होंसलाफजाई करते हुए गली मोहल्लों की नाले व नालियों की जोरदार सफाई का अभियान छेड़ रखा है जिससे पालिका को शिकायत न मिल सके।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में समर कैंप के अंतर्गत खेल व्यायाम एवं शैक्षिक भ्रमण

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

भारतीय शिक्षा समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर

कॉलेज अफजलगढ़ (बिजनौर)में प्रधानाचार्य श्री प्रकाश वीर आर्य के दिशा निर्देशन में समर कैंप का आयोजन किया।

इसमें 'मैं हूं देशज', 'योग एवं व्यायाम', रस्साकशी, रस्सी कूद, म्यूजिकल चेयर का खेल, कल्पनाशील कहानी, भाषा वृक्ष आदि गतिविधियों में कुणाल, दिव्यांशु, ध्रुव, निमिष, शौर्य प्रताप, भूपेश, वैभव वर्मा, अअल्फैज, सउद अब्दुल्ला ,माधव खेडेवाल, शांतनु खेडेवाल, रानू ,लक्ष्य, पावनी, मनसा रश्तोगी, कशिश, भूमिका, अनोखी अंजलि, माही, महिमा, लवली आदि छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विभिन्न गतिविधियों के दौरान छात्र-छात्राएं समश्त गतिविधियों का आनंद लेते हुए दिखाई पड़े।

छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी एवं आनंद से खिले हुए थे। इस अवसर पर विज्ञान वर्ग की छात्र-छात्राओं को विजयनगर में स्थित श्री मनोज कुमार वर्मा जी के आवास पर शैक्षिक भ्रमण कराया गया। जिसमें उनके उद्यान में उगाई गई विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों की जानकारी दी गई।

विभिन्न व्यवस्थाओं में श्री ओमकार सिंह, श्री अमरीश कुमार ,श्री राजीव कुमार गुप्ता,श्री कल्याण सिंह श्री उरेश कुमार, श्री मनोज कुमार ,श्री आनंद भूषण यादव आदि की सहभागिता रही।

कलेक्ट्रेट जिला उद्योग बंधु समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज 03:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु समिति, जिला निर्यात समिति, एम०ओ०यू० क्रियान्वयन तंत्र, पी० एम० विश्वकर्मा योजना, पी०एम० गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की बैठक आयोजित हुई।

उनके द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में सहायक अभियन्ता, एनएचएआई, नजीबाबाद, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, नजीबाबाद, अधि.अभि. सिंचाई खण्ड-6, नजीबाबाद तथा उपजिलाधिकारी द्वारा श्री अवनीश कुमार अग्रवाल चेयरमैन आईआईए की उपस्थिति में संयुक्त जॉच की गयी। उन्होंने जॉच आख्या के सापेक्ष अधिशासी अभियंता एनएचएआई को निर्देश दिए कि जल भराव की समस्या का स्थाई समाधान के लिए तत्काल कार्य योजना बनाकर बजट की उपलब्धता सुनिश्चित करें और धनराशि प्राप्त होते ही नाला निर्माण कार्य शुरू कराएं।

बैठक में स्टोन क्रेशर ओनर्स वेलफेयर सोसाइटी के उद्यमियों द्वारा नजीबाबाद क्षेत्र में 20 से अधिक स्टोन क्रशरों को स्वतंत्र विद्युत आपूर्ति की मांग किए जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बिजली विभाग द्वारा स्टोन क्रेशर्स के लिए एमडी पीवीएनएल महोदया अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नजीबाबाद को निर्देशित किया गया कि स्टोन केशर इकाईयों को विद्युत आपूर्ति देने वाले दोनों फीडरों को समाहित करते हुए 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित करते हुए कहा कि उद्योग बंधु बैठक में ब्रुश उद्योग शेरकोट के उद्यमियों को भी अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाए। उन्होंने उपस्थित सभी उद्योग एवं व्यापार बंधुओं का आह्वान करते हुए कहा कि विदुर ब्रांड उत्पादों का खुद भी उपयोग करें और अपने व्यापारिक प्रतिष्ठानों में बिक्री के लिए भी जरूर रखें। उन्होंने निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित विभागीय प्रकरणों का जल्द से जल्द निश्तारण करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि औद्योगिक विकास में गतिशीलता लाने के उद्देश्य से उद्यमियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता एवं तत्परता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनपद का औद्योगिक विकास ओर अधिक तेजी से आगे बढ़ सके। उन्होंने एम०ओ०यू० क्रियान्वयन तंत्र की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में हश्ताक्षरित एमओयू को यथाशीघ्र धरातल पर लाने तथा उन्हें यथाशीघ्र उत्पादनरत बनाने के लिए प्रयास करें।

उन्होंने पी.एम. विश्वकर्मा योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष आवेदनों की संख्या को बढाना सुनिश्चित करें तथा योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित गति से निष्पादन करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारी को दिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत प्रमुख बिंदुओं सहित बैठक के अन्य प्रकरणों की भी गहन समीक्षा कर उनसे सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण निश्तारण के लिए निर्देशित किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेंद्र सिंह, उपायुक्त उद्योग अमित कुमार सहित जिले के उद्योग बन्धु एवं व्यापार बन्धु विकास कुमार अग्रवाल, जुल्फुकार आलम, मुनीश त्यागी, नितिन अग्रवाल सहित अन्य उद्योग व व्यापार बन्धु मौजूद थे।

जैन विद्या मंदिर इंटर कालेज में मनी रानी अहिल्याबाई जयन्ती

एनसीआर टुडे. नहटौर। जैन विद्या मंदिर इंटर कालेज नहटौर बिजनौर में रानी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती मनाई गयी। वक्ताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला तथा छात्र छात्राओं को उनके जीवन के आदर्श को अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कला प्रतियोगिता व दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्रों द्वारा पूरे मनोयोग से प्रतिभागी किया गया। स्थान पाने वाले छात्रों को प्रबंधक संदीप कुमार जैन, अध्यक्ष अनुराग जैन, शेलेन्द्र जैन, सिद्धान्त जैन, प्रधानाचार्य हेमन्त सागर आदि ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

दस्तावेज लेखक संगठन, रेवेन्यू बार, तथा स्टांप विक्रेताओ ने निजीकरण के विरुद्ध एस डी एम नगीना को ज्ञापन सौंपा

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

सरकार द्वारा, उपनिबंधक कार्यालय को, प्राइवेट किए जाने के विरोध में, उत्तर प्रदेश दश्तावेज लेखक संगठन, रेवेन्यू बार एसोसिएशन, तथा स्टांप विक्रेता संघ, ने उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एसडीएम नगीना आशुतोष जैसवाल को ज्ञापन दिया ।जिसमें निजीकरण(पीपीपीमंडल) के विरोध मेंअधिवक्ताओं दश्तावेज लेखको स्टांप विक्रेताओं तथा संबंधितसमुदायों द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन कियागया।

इस हड़ताल को यदि समय रहते गंभीरता से नहींलिया गया तो यह पूरे प्रदेश में फैल सकता है ।अधिवक्ताओं संघो द्वारायह स्पष्ट संकेत दिया गया कि निजीकरण आदेश की वापसी न होनेपर प्रदेशभर की तहसीलों में पंजीयन कार्य पूरी तरह से ठप किया जायेगा।

जिससे न केवल शासन को व्यापक आर्थिक स्थिति होगी बल्कि आम नागरिकों को भी अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

इस संबंध में तीनों संगठनों की एक उत्तर प्रदेश रिवेन्यू बा र एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा (पी पीपी मॉडल), मिल भारती, एवं फ्रंट ऑफिस खोलने का तीनों संगठन विरोध करते हैं ।निबंधक कार्य से विरत रहेंगे, इस संबंध में जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश दश्तावेज लेकर संगठन के जिला को षा ध्य क्ष ओम प्रकाश सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आ दि त्य ना थ सेअपील करते हुए कहा किइस विषय को गंभीरता से लेते हुए निजीकरण की प्रक्रिया को वापसलेने संबंधित निर्णय शीघ्र लिया जाए। संगठन के उत्तर प्रदेश दश्तावेज लेखक संगठन, रेवेन्यू बार एसोसिएशन, तथा स्टांप विक्रेता संघ, के पदाधिकारी बस सदस्य उपस्थित रहे।

23 को निकलेगी तिरंगा यात्रा : अतुल भारती

एनसीआर टुडे. नगीना। स्वाभिमान तिरंगा यात्रा निकली जायेगी भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अतुल भारती ने बताया की कश्मीर के पहलगाम मे घटी आतंकी घटना मे शहीद हुवे निर्दोष लोगो कि हत्या का बदला लेने का ऑपरेशन सिंदूर भारत का करारा जवाब है।

हमारे देश के सैनिको कि कार्यवाही पहलगाम हमले मे शहीद हुवे लोगो को असली श्रद्धांजलि है हमें अपने देश के सैनिको पर गर्व है सफलता के बाद सेना के पराक्रम को नमन व वंदन करने के लिए नगीना मे तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 23 मई को प्रात: 10 बजे गाँधी मूर्ति से प्रारम्भ होकर नगर पालिका, मंडी मौलगंज, लुहारी सराय, मंझलेटा, बड़ा मंदिर, बाजार बरादरी, बड़ा बाजार होते हुवे पहाड़ी दरवाजा मे जाकर समाप्त होंगी अतुल भारती ने सभी माताओं बहनों, डॉक्टरों, एडवोकेट, अध्यापक व अध्यापकों सामाजिक व्यक्तियों, व राजनैतिक के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ से व सम्मानित जनता से तिरंगा यात्रा मे एकजुट होकर अधिक संख्या मे शामिल होने की अपील की

ओवरहेड टैंक से दूषित पानी की स्प्लाई लोग को मजबूर

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नगर पालिका परिषद के ओवर हेड टैंक से होने वाली जल सप्लाई में दूषित जल आने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले की जानकारी मिलते ही पालिका प्रशासन द्वारा ओवरहेड टैंक से होने वाली पानी की सप्लाई को रोक दिया है। फिलहाल उक्त क्षेत्र में नलकूप द्वारा पानी दिया जा रहा है। ओवरहेड टैंक का समरसेबल फेल होने की संभावना जताई है। मंगलवार को भी ओवरहेड टैंक के नलकूप को ठीक करने का प्रयास किया जा रहा था। पालिका के अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने बताया कि दूषित जल आने की शिकायत मिली है जो तकनीकी खराबी आई है उसे तुरंत ही ठीक कराया जाएगा। उसके लिए संबंधित मिस्त्री को बुलाया गया है।

नगर पालिका परिषद कार्यालय में वाटर ओवरहेड टैंक से की गई जल की सप्लाई के अंतर्गत दूषित जल आने की शिकायत कई मौहल्ले के लोगों द्वारा की गई। ओवरहेड टैंक से नगर के आधे से अधिक क्षेत्र को जल की आपूर्ति की जाती है। दूषित जल की शिकायत को नागरिकों ने सोशल मीडिया पर भी शेयर किया गया। पानी की टंकी में मटमैला पानी आने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि तीन चार दिनों से दूषित जल समस्या बनी हुई है। जानकारी मिलने पर पालिका प्रशासन द्वारा तत्काल ओवरहेड टैंक से होने वाली पानी की सप्लाई को रोक दिया है। दूसरे दिन भी जल सप्लाई रेत युक्त पानी लोगों के घरों में पहुँचा।

संपादकीय

आंधी में उड़ गया 'विकास'

दिल्ली-एनसीआर को गत दिनों तेज़ आंधी, बारिश व तूफ़ान का सामना करना पड़ा। इस तेज आंधी में नई दिल्ली स्टेशन के क़रीब नबी करीम क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान की दीवार गिर गई जिसमें दब जाने से 3 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गये। जबकि कई जगहों पर पेड़ उखड़ने का भी समाचार है। परन्तु शायद इस आंधी का सबसे अधिक प्रकोप न्यू अशोक नगर रैपिड मेट्रो स्टेशन को झेलना पड़ा। दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ रैपिड रेलवे ट्रांज़िट सिस्टम के बीच आने वाले इस स्टेशन के एक बड़े हिस्से की छत ही तेज़ हवा के चलते उड़ गई। और छत की कई टीन नीचे सड़क पर जा गिरी तो कई हवा में लटकने लगीं।

गौरतलब है कि अभी क़रीब चार माह पूर्व ही 5 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली-मेरठ रैपिड रेलवे ट्रांज़िट सिस्टम के 13 किलोमीटर लंबे जिस सेक्शन का उद्घाटन किया था, न्यू अशोक नगर स्टेशन भी उसी सेक्शन के बीच आने वाला एक प्रमुख स्टेशन है। और यह नवनिर्मित स्टेशन आंधी-तूफ़ान का एक झटका भी नहीं झेल पाया। दिल्ली के न्यू अशोक नगर को उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से जोड़ने वाली इस परियोजना में 4, 600 करोड़ रुपये की लागत आई है। न्यू अशोक नगर रैपिड मेट्रो स्टेशन पर हुये इस हादसे के बाद सुरक्षा के दृष्टिगत नमो भारत ट्रेन की सेवाओं के आवागमन को अगले आदेश तक स्थगित करना पड़ा था। इस हादसे के बाद एक बार फिर स्टेशन की छत के निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठने लगे हैं।

यहाँ एक बात यह भी क़ाबिले ग़ौर है न केवल प्रधानमंत्री नई ट्रेन को झंडी दिखा कर रवाना करते हैं बल्कि पुल, हाईवे एक्सप्रेसवे के छोटे से नवनिर्मित हिस्से जैसी परियोजनाओं का भी वे स्वयं उद्घाटन करते हैं बल्कि ऐसे अवसरों पर प्रायः कांग्रेस की सरकार को कोसने और अपनी पीठ थपथपाने से भी नहीं चूकते। मिसाल के तौर पर गत वर्ष द्वारका एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री ने तंज़ करते हुये कहा था कि "कांग्रेस ने 7 दशक तक जो गड्ढे खोदे थे वे अब तेज़ी से भरे जा रहे हैं।

उसी समय उन्होंने यह भी कहा था कि 'मैं न छोटा सोच सकता हूं, न मैं मामूली सपने देखता हूं और न ही मैं मामूली संकल्प करता हूं। मुझे जो चाहिए विराट चाहिए, विशाल चाहिए और तेज़ गति से चाहिए क्योंकि 2047 में मुझे देश को 'विकसित भारत' के रूप में देखना है। ' परन्तु उन्होंने यह नहीं कहा कि मुझे हर परियोजना का निर्माण टिकाऊ व मज़बूत भी चाहिये। याद कीजिये 16 जुलाई को प्रधानमंत्री ने ज़िला जालौन के कैथेरी में पूरे प्रचार-प्रसार के साथ जिस बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया था वह एक्सप्रेस-वे उद्घाटन के केवल 5 दिन बाद ही जगह-जगह से धंस गया था और उसमें कई जगह बड़े बड़े गड्ढे पड़ गये थे। जिसके कारण कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गये थे। चित्रकूट के भरतकूप से शुरू होकर इटावा के कुदरैल में मिलने वाले इस बुन्देलखंड एक्सप्रेस वे के निर्माण पर क़रीब 14 हज़ार करोड़ की लागत आई थी। इसके एक वर्ष बाद फिर इसी एक्सप्रेस वे पर पुनः चित्रकूट को जाने वाली लेन पर क़रीब एक दर्जन गड्ढे हो गए थे। इन गड्ढों में पानी भरने से एक्सप्रेस वे से निकलने वाले कई वाहनों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ा था। उस समय भी मीडिया में इस परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किये गए थे और काफ़ी घटिया निर्माण के चलते सरकार की काफ़ी फ़ज़ीहत हुई थी। ज़ाहिर है यह गड्ढे कांग्रेस के समय के नहीं थे।

इसी तरह देश के सबसे लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर दौसा ज़िले के भांडारेज के पास पर भारी वाहन गुजरने से सड़क धंस गई, जिससे बड़ा गड्ढा हो गया था। इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया गया था। यहाँ भांडारेज टोल के पास भारी वाहन गुजरने मात्र से सड़क धंस गई थी जिससे सड़क के बीचों-बीच 15 फ़ुट गहरा गड्ढा हो गया था। इस एक्सप्रेस वे पर गड्ढे होने के बाद इसमें भी घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल तथा लापरवाही का आरोप लगा था। इस परियोजना के निर्माण पर भी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत आई थी। 12 फ़रवरी 2023 को इस का भी प्रधानमंत्री मोदी ने ही उद्घाटन किया था और उद्घाटन करते हुये इसे भी देश की आधारभूत संरचना का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया था।

लेकिन उद्घाटन के कुछ ही महीनों में बारिश ने इस 'उत्कृष्ट निर्माण' की वास्तविकता को उजागर कर दिया था। इस तरह के दर्जनों ऐसे उदाहरण हैं जो या तो निर्माण के समय ही ध्वस्त या क्षतिग्रस्त हो गये या उद्घाटन के कुछ समय बाद ही उनकी असलियत उजागर हो गई। अभी गत वर्ष बिहार में इसतरह एक के बाद एक कई बड़े पुल ढह गए। गत वर्ष अयोध्या नगरी में कई जगह सड़कें धंस गयीं। चंडीगढ़ से राजस्थान को जाने वाला अंबाला से होकर गुज़रने वाला हाइवे अपने निर्माण के कुछ ही समय बाद क्षतिग्रस्त हो गया था। इसपर बने कई पुल भारी वाहन गुज़रने पर आज भी थरथर हिलते हैं। यह सारे 'गड्ढे ' विकसित राष्ट्र के मार्ग में पड़ने वाले गड्ढे हैं जिनकी ज़िम्मेदारी न ही कांग्रेस की है न ही पंडित नेहरू की।

सवाल यह है कि इस तरह के घटिया निर्माण के पीछे का रहस्य आख़िर क्या है? कौन हैं इन कंपनीज़ के मालिक जो जनता के टैक्स के पैसों की इसतरह खुलकर लूट करते हैं? जनधन की लूट खसोट का यह सिलसिला आख़िर कभी ख़त्म भी होगा या नहीं? इन लुटेरी निर्माण कंपनियों को किसकी शह मिली हुई है? क्या वजह है कि जिन मुग़लों को विदेशी व आक्रांता बताकर दिन रात वोट बटोरने की राजनीति की जाती है उनके समय के बनाये हुये हज़ारों निर्माण आज भी पूरी मज़बूती के साथ अपना सिर बुलंद किये खड़े हैं। इसी तरह अंग्रेज़ों के शासनकाल के अनेक महत्वपूर्ण निर्माण आजतक क्षतिग्रस्त नहीं हुये। उदाहरणार्थ 18 जनवरी 1927 को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड इरविन द्वारा उद्घाटित व ब्रिटिश वास्तुकारों एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर द्वारा डिज़ाइन किये गये पुराने संसद भवन का आज तक बाल भी बांका नहीं हुआ जबकि सेन्ट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत बना नया संसद भवन जिसका उद्घाटन 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था उसमें पहली बारिश के दौरान ही पानी टपकने लगा था। निश्चित रूप से यह इस भवन की गुणवत्ता या निर्माण में कमी के कारण ही था। इससे नये संसद भवन की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंची थी। परन्तु आश्चर्य है कि भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस व विकास का हर वक़्त ढिंढोरा पीटने वाली सरकार का 'विकास' कहीं गड्ढों में घुसा जा रहा है तो कहीं आंधी में उड़ा जा रहा है?

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

ललित गर्ग

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है।

इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिश्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है।

भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिश्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ति होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़स है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए।

परेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए।

शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता।

मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है।

इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे।

यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने

वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी।

क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेश्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परश्त पाकिश्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे।

हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं।

इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे।

सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिश्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रश्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा।

ऑपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इश्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे।

पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं।

स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हो, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार है)

जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता का संकट

योगेश कुमार गोयल

मानवीय गतिविधियों के कारण पृथ्वी पर जैव विविधता पर गंभीर संकट मंडरा रहा है और जीव-जंतुओं, वनस्पतियों इत्यादि की अनेक प्रजातियां तेजी से लुप्त होती जा रही हैं। जीव-जंतु और वनस्पति ही धरती पर बेहतर और जरूरी पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं लेकिन प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का अशितत्व संकट में पड़ गया है।

अनेक शोधों से यह चिंताजनक तथ्य सामने आ चुका है कि पृथ्वी का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद खराब हो चुका है। मानवीय दखल से दूर रहने के कारण और स्थानीय जनजातीय लोगों की भूमिका के चलते धरती का केवल तीन प्रतिशत हिस्सा ही पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित रह गया है। जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने तथा धरती पर मौजूद जंतुओं और पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को एक खास थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का इस वर्ष का विषय है 'प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास', जो न केवल पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करता है बल्कि जैव विविधता और सतत विकास के बीच गहरे अंतर्संबंध को भी उजागर करता है।

अमेरिका की यूनिवर्सिटी आफ एरिजोना के शोधकर्ताओं का मानना है कि अगले पांच दशकों में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की प्रत्येक तीन में से एक यानी एक तिहाई प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी।

शोधकर्ताओं ने दुनियाभर के छह सौ स्थानों पर पांच सौ से ज्यादा प्रजातियों पर एक दशक तक अध्ययन करने के बाद पाया कि अधिकांश स्थानों पर 44 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं। इस अध्ययन में विभिन्न मौसमी कारकों का अध्ययन करने के बाद शोधकर्ताओं इस नतीजे पर पहुंचे कि यदि गर्मी ऐसे ही बढ़ती रही तो 2070 तक दुनियाभर में कई प्रजातियां खत्म हो जाएंगी।

ब्रिटेन स्थित 'स्मिथसोनियन एनवायरनमेंटल रिसर्च सेंटर' के मुताबिक विश्व के केवल 2.7 प्रतिशत हिस्से में ही अप्रभावित जैव विविधता बची है, जो बिल्कुल वैसी ही है, जैसी पांच सौ वर्ष पूर्व हुआ करती थी। इन क्षेत्रों में सदियों पहले जो पेड़-पौधे और जीव पाए जाते थे, वे प्रजातियां आज भी मौजूद हैं। जो अप्रभावित जैव विविधता वाला क्षेत्र बचा है, वह भी जिन-जिन देशों की सीमाओं के अंतर्गत आता है, उनमें से केवल 11 प्रतिशत क्षेत्र को ही संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। अप्रभावित जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से अधिकांश इलाके उत्तरी गोलार्ध में आते हैं, जहां मानव उपस्थिति कम रही है, लेकिन अन्य क्षेत्रों के मुकाबले ये जैव विविधता से समृद्ध नहीं थे।

'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (आइयूसीएन) एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में वन्यजीवों और वनस्पतियों की हजारों प्रजातियां संकट में हैं और आने वाले समय में इनके विलुप्त होने की संख्या तथा दर में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। आइयूसीएन ने करीब एक लाख पैंतीस हजार प्रजातियों का आकलन करने के बाद इनमें से सैंतीस हजार चार सौ प्रजातियों को विलुप्ति के कगार पर मानते हुए खतरे की सूची में शामिल किया था। आइयूसीएन के अनुसार नौ सौ से ज्यादा जैव प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और 37 हजार से ज्यादा प्रजातियों पर विलुप्त होने का संकट मंडरा रहा है। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ क्राइम रिपोर्ट के मुताबिक वन्यजीवों की तस्करी भी दुनिया के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा बनकर उभरी है। रिपोर्ट के मुताबिक सर्वाधिक तस्करी शतनधारी जीवों की होती है। वन्यजीव तस्करी में 22 प्रतिशत तस्करी के मामले रेंगने वाले जीवों के और 10 प्रतिशत पक्षियों के होते हैं जबकि पेड़-पौधों की तस्करी का हिस्सा 14.3 फीसद है।

'स्टेट ऑफ वर्ल्ड बर्ड्स' नामक एक रिपोर्ट में यह तथ्य भी सामने आ चुका है कि दुनिया में पक्षियों की करीब 39 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या स्थायी है और मात्र 6 प्रतिशत प्रजातियां ही ऐसी हैं, जिनकी संख्या बढ़ रही है, जबकि 48 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। पक्षियों की प्रजातियों की संख्या में गिरावट को भारत के संदर्भ में देखें तो भारत में जहां 14 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में वृद्धि हुई है, वहीं केवल 6 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या ही स्थिर है जबकि 80 प्रतिशत प्रजातियां कम हुई हैं। इनमें से 50 प्रतिशत प्रजातियों की संख्या में भारी गिरावट और 30 प्रतिशत प्रजातियों में कम गिरावट दर्ज की गई है।

सालाना पक्षी गणना में अब प्रतिवर्ष पक्षियों की संख्या और विविधता में गिरावट आ रही है, जिसका बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और जंगलों का कटना है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में पक्षियों पर हुए शोध के नतीजे भी चौंकाने वाले हैं। वहां वन क्षेत्रों में मानवीय दखल, वनों की कटाई और तेजी से बढ़ते प्रदूषण के कारण पक्षियों की संख्या में 60-80 प्रतिशत तक की कमी आई है।

पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक जैव विविधता के क्षरण का सीधा असर भविष्य में कृषि, खाद्य पैदावार इत्यादि पर पड़ेगा। इसलिए पृथ्वी पर जैव विविधता को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी है कि हम पर्यावरणीय संतुलन को न बिगड़ने दें।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस प्रकार जंगलों में अतिक्रमण, कटाई, बढ़ता प्रदूषण और पर्यटन के नाम पर गैर जरूरी गतिविधियों के कारण पूरी दुनिया में जैव विविधता पर संकट मंडरा रहा है, वह पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का स्पष्ट संकेत है और यदि इसमें सुधार के लिए शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में बड़े नुकसान के तौर पर इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा।

विकास के नाम पर यदि वनों की कटाई बदश्तूर जारी रही और जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे तो ये प्रजातियां धरती से एक-एक कर लुप्त होती जाएंगी और भविष्य में इससे पैदा होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना समश्त मानव जाति को ही करना होगा।

बहरहाल, शोधकर्ताओं का पृथ्वी पर जैव विविधता के अशितत्व पर मंडराते संकट को लेकर कहना है कि अधिकांश प्रजातियां मानव शिकार के कारण लुप्त हुई हैं जबकि कुछ अन्य कारणों में दूसरे जानवरों का हमला और बीमारियां शामिल हैं।

हालांकि उपग्रहों से मिली तस्वीरों के आधार पर शोधकर्ताओं का मानना है कि धरती के ऐसे बीस फीसद हिस्से की जैव विविधता को बचाया जा सकता है, जहां अभी पांच या उससे कम बड़े जानवर ही गायब हुए हैं लेकिन इसके लिए मानव प्रभाव से अछूते क्षेत्रों में कुछ प्रजातियों की बसावट बढ़ानी होगी ताकि पारिस्थितिकीय तंत्र में असंतुलन पैदा न हो।

जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ रही गर्मी से भी जैव विविधता खतरे में पड़ी है। जैव विविधता पर संकट यदि इसी प्रकार मंडराता रहा तो धरती से प्राणी जगत का खात्मा होने में सैकड़ों साल नहीं लगने वाले।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुश्तक के लेखक हैं)

सुरक्षा में सेंध : खुफिया एजेंसियों की नाकामी

हरियाणा के कई जिलों में संदिग्ध व्यक्तियों ने पाकिस्तान जाकर महीनों बिताए, सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं, फिर भी भारतीय खुफिया एजेंसियों को भनक तक नहीं लगी। ज्योति और तारिफ जैसे लोग फर्जी पहचान से पासपोर्ट बनवाकर सीमा पार पहुंचे, पाकिस्तानी अधिकारियों से मिले, और बेधड़क लौट आए। यह मामला न सिर्फ इंटेलिजेंस विफलता को उजागर करता है, बल्कि हमारे साइबर निगरानी तंत्र और पासपोर्ट वेरिफिकेशन की कमजोरी को भी सामने लाता है। जब सोशल मीडिया पर जासूसी खुलेआम हो रही हो, तब खामोश एजेंसियाँ देश की सुरक्षा को संकट में डाल रही हैं...

प्रियंका सौरभ

आज जब भारत चंद्रयान-3 की सफलताओं, डिजिटल इंडिया की उड़ानों और वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा है, तब एक छोटी सी खबर राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव हिला देने वाली बन जाती है। अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा के अलग-अलग जिलों में संदिग्ध जासूसी गतिविधियाँ होती रहीं, संदिग्ध व्यक्ति पाकिश्तान भी गए, महीनों तक वहां रहे, सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं—पर खुफिया एजेंसियों को भनक तक नहीं लगी। अगर यह खतरनाक लापरवाही नहीं तो और क्या है?

जासूसी की कहानी या एजेंसियों की नींद?

चंडीगढ़, अंबाला, हिसार, यमुनानगर और पंचकूला जैसे संवेदनशील जिलों में संदिग्ध लोगों की गतिविधियाँ चलती रहीं। ज्योति और तारिफ जैसे व्यक्तियों के पास तीन-तीन नाम थे, वे पाकिश्तान गए, सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालते रहे, वहां के अधिकारियों से मिले, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की नींद नहीं टूटी। यह सिर्फ एक केस नहीं, यह उस सिस्टम पर सवाल है जो कागज़ों में तो मजबूत दिखता है लेकिन जमीनी हकीकत में खामोश रहता है।

क्या यह माना जाए कि आज सोशल मीडिया के दौर में भी हमारी एजेंसियाँ उन गतिविधियों को पकड़ नहीं पातीं जो खुल्लमखुल्ला हो रही हैं? क्या सिर्फ पासपोर्ट वीज़ा की जांच पर्याप्त है? और अगर ये लोग सीमा पार गए, पाकिस्तान में पार्टी की, अधिकारियों से मिले और फिर बेधड़क लौट आए, तो यह घटना इंटेलिजेंस की असफलता नहीं तो क्या है?

सोशल मीडिया बनाम सुरक्षा

आज ज्योति जैसी महिला पाकिश्तान की राजधानी इस्लामाबाद से लेकर मुर्री हिल स्टेशन तक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रही। उसके पोस्ट पर पाकिश्तानी हैंडल से तारीफें आती रहीं। क्या किसी खुफिया एजेंसी ने एक बार भी उसका साइबर प्रोफाइल देखा? क्या अब सोशल मीडिया खुफिया जानकारी का स्रोत नहीं रहा?

जिस युग में हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा और facial recognition की बात करते हैं, उसी युग में एक संदिग्ध महीनों तक पाकिश्तान में रहकर तस्वीरें डालती है और एजेंसियों को पता नहीं चलता, तो यह उस "साइबर सुरक्षा" के दावों की पोल खोल देता है।

जासूसी की परंपरा और वर्तमान खतरे

जासूसी कोई नई चीज नहीं है। यह तो हमेशा से राष्ट्रों के बीच 'छाया युद्ध' का हिस्सा रही है। लेकिन आज जब टेक्नोलॉजी इतनी उन्नत हो चुकी है कि एक मोबाइल लोकेशन से भी सारा इतिहास खोजा जा सकता है, तब किसी संदिग्ध का पाकिश्तान जाना, वहां रुकना, अधिकारियों से मिलना और फिर भारत लौट आना—यह दर्शाता है कि हमारी आंतरिक निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियाँ हैं। पाकिश्तान जैसे देश के संदर्भ में, जहाँ से आतंकवाद और खुफिया नेटवर्क चलाए जाते हैं, वहाँ किसी भी भारतीय नागरिक की उपस्थिति तत्काल संदेह का विषय होनी चाहिए। यदि ज्योति, तारिफ और उनके जैसे लोग बिना निगरानी के वहां रहे और लौटे, तो

यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे की घंटी है।

एजेंसियों का भरोसा या बहाना?

रिपोर्ट कहती है कि 'इंटेलिजेंस फेल्योर नहीं, सबका आने-जाने की आज़ादी है। ' लेकिन यह तर्क उस समय खोखला लगता है जब वही आज़ादी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन जाए। हां, भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां नागरिकों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता है, लेकिन जब यह स्वतंत्रता देशद्रोही ताकतों के हाथों में हथियार बन जाए, तब सिस्टम को आंखें मूंदकर सोना नहीं चाहिए। ये वही सिस्टम है जो आम नागरिक को छोटी सी गलती पर देशद्रोह के तहत जेल में डाल देता है, लेकिन वहीं कोई महीनों तक पाकिश्तान जाकर लौट आए तो 'उसे पकड़ना मुश्किल है' जैसे बयान दिए जाते हैं। क्या यह दोहरा मापदंड नहीं?

स्थानीय एजेंसियों की भूमिका

हरियाणा जैसे राज्य में, जहां सेना में भर्ती के लिए लाखों युवा लाइन में खड़े रहते हैं, वहीं अगर वहीं की जमीन पर जासूसी के लिए संदिग्ध घूमते रहें, तो स्थानीय पुलिस और खुफिया तंत्र की क्या भूमिका रही? क्या थानों को सूचनाएं नहीं मिलीं? क्या पासपोर्ट की वेरिफिकेशन प्रक्रिया में कोई लापरवाही नहीं हुई? गौरतलब है कि ये संदिग्ध दिल्ली, काशी, असम और हरियाणा के विभिन्न हिस्सों में ठहरे। रिपोर्ट में उल्लेख है कि ज्योति ने वाराणसी में 12 काशी बनाए थे यानी फर्जी पहचान पत्रों और दश्तावेज़ों की पूरी श्रृंखला। यह दिखाता है कि ये कोई सामान्य पर्यटक नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क के हिस्से थे।

राजनीतिक चुप्पी और मीडिया की मौनता

जब भी किसी एक्टर या क्रिकेटर की निजी ज़िंदगी पर कोई खबर आती है, तो मीडिया दिन-रात उसी पर बहस करता है। लेकिन जब मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा हो, तब वही मीडिया 'प्रेस रिलीज़' के भरोसे रहता है। न कोई डिबेट, न कोई रिपोर्टिंग, न कोई संसदीय प्रश्न।

राजनीतिक दलों की बात करें तो सत्ता और विपक्ष दोनों इस पर खामोश हैं। ना गृहमंत्री कोई बयान देते हैं, ना संसद में कोई चर्चा होती है। क्या यह चुप्पी इस बात का संकेत नहीं कि या तो उन्हें खुद समझ नहीं, या वे अपनी एजेंसियों की नाकामी छिपा रहे हैं?

समाधान की दिशा में क्या करें?

1. साइबर इंटेलिजेंस को मजबूत करें – सोशल मीडिया पर साझा की गई गतिविधियों पर निगरानी के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएं।
2. आंतरिक निगरानी तंत्र का विकेंद्रीकरण – हर जिले में स्थानीय इंटेलिजेंस टीम हो जो संदिग्धों की पहचान और ट्रैकिंग करे।
3. फर्जी पहचान की जांच के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री – आधार, पैन, पासपोर्ट जैसे दश्तावेज़ों की एकीकृत जांच प्रणाली विकसित की जाए।
4. राजनीतिक जवाबदेही तय हो – अगर सुरक्षा चूक होती है, तो जवाबदेह अफसरों पर कार्यवाही हो।
5. मीडिया की भूमिका – राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर मीडिया को निष्पक्ष, सक्रिय और खोजी रुख अपनाना चाहिए।

कब जागेगा सिस्टम?

'जासूसी होती रही, एजेंसियां सोती रहीं'—यह वाक्य केवल एक खबर नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की नींव पर तमाचा है। यह हमें याद दिलाता है कि कितनी भी तकनीक आ जाए, जब तक इरादा और निगरानी नहीं होगी, तब तक देश की सुरक्षा कागज़ों तक ही सीमित रहेगी। हमें न केवल खुफिया एजेंसियों की जवाबदेही तय करनी होगी, बल्कि नागरिकों को भी जागरूक बनाना होगा कि आज की दुनिया में सुरक्षा केवल फौजों से नहीं, बल्कि सतर्क नागरिकों से भी सुनिश्चित होती है। जागिए, क्योंकि जासूस सोते नहीं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

बाइक सवार देवर-भाभी की सड़क हादसे में मौत

रायबरेली-प्रतापगढ़ हाईवे अज्ञात वाहन ने मारी थी टक्कर

रायबरेली, एजेंसी। रायबरेली-प्रतापगढ़ हाईवे पर देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार देवर भाभी की मौत हो गई, जबकि एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है।
एक साथ दो लोगों की अचानक हुई मौत से परिवार समेत गांव में भी शोक का माहौल है। जानकारी होते ही बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, भदोखर के भैदपुर सनही निवासी राकेश अपनी पत्नी राजपति व परिवार की भाभी श्रीमती के साथ सोमवार की रात एक शादी समारोह शामिल होने गए थे, जहां से देर रात वे बाइक से वापस घर लौट रहे थे। रायबरेली-प्रतापगढ़ हाईवे पर गांव के पास ही अज्ञात वाहन में उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने उन्हें सलोन पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने राकेश व श्रीमती को मृत घोषित कर दिया। राजपति की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की जानकारी होने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण सीएचसी पहुंच गए। थानाध्यक्ष भदोखर दयानंद तिवारी का कहना है कि टीम को अस्पताल भेजा गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

घर से नौकायान घूमने निकली किशोरी, भूल गई रास्ता; यहां से हुई बरामद

गोरखपुर, एजेंसी। पीपीगंज की रहने वाली तीन किशोरियां सोमवार को घर से नौकायन घूमने निकली। यहां खाने-पीने के बाद वह वापस घर जाने के लिए निकली, लेकिन सहजनवां पहुंच गई, उनके पास रुपये भी खत्म हो गए थे। उधर, घर वाले खोजबीन करते हुए शाम चार बजे थाना पुलिस को सूचना दिए। गुमसुदगी का केस दर्ज करते हुए पुलिस उनकी तलाश कर ही रही थी कि रात 9:30 बजे पीआरवी पुलिस ने आटो चालक से बातचीत करते हुए उन्हें पकड़ा और थाने पर सूचना दी। पूछताछ के बाद तीनों के स्वजन को बुलाकर सिपुर्द कर दिया गया। तीनों एक ही गांव की और दो बहने थी। एसपी नार्थ जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पीपीगंज के एक गांव से तीन किशोरियों के गायब होने की सूचना मिली थी। घर वालों ने बताया था कि सुबह 11:30 बजे तीनों बिना किसी को बताए घर से गायब है। पुलिस की टीम जीआरपी और अन्य माध्यमों से तीनों की तलाश कर रही थी। इसी बीच शाम 9:30 बजे सहजनवां थाना पुलिस ने तीन किशोरियों के मिलने की सूचना दी। तीनों का नाम गायब हुई किशोरियों का निकला। पूछताछ में तीनों ने बताया कि वह घर से काम करने के लिए निकली थी। लेकिन उनके पास से मिले मोबाइल फोन में जब नौकायन फोटो के बारे में पूछा गया तो उन्होंने घटनाक्रम के बारे में बताया। किशोरियों ने बताया कि उनके पास कुछ रुपये थे। इसलिए एक ने नौकायन घूमने की योजना बनाई। पीपीगंज से आटो पकड़कर तीनों नौकायन पहुंची।

ट्रक चालक और खलासी पुलिस गिरफ्त से दूर, आपस में टक्कर के बाद दो ट्रकों में लगी थी आग

लखनऊ, एजेंसी। चिनहट के सेमरा मोड़ पर बीते गुरुवार को दो ट्रकों की टक्कर के बाद उनमें आग लग गई थी। एक ट्रक के चालक की अंदर फंसने से मौत हो गई थी। इस मामले में मौके से फरार हुए दूसरी ट्रक के चालक और खलासी को पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। गुरुवार की सुबह सेमरा मोड़ पर मौरंग लदे दो ट्रक आपस में टकरा गए थे। इसके बाद दोनों ट्रक पलट गए और इनमें आग लग गई। केबिन में फंसकर एक ट्रक के गोंडा के वजीरगंज निवासी 45 वर्षीय चालक राजेंद्र सिंह की जिंदा जलकर मौत हो गई थी, जबकि खलासी अंकित घायल हो गया था। वहीं, दूसरी ट्रक का चालक और खलासी मौके से फरार हो गए थे।

आरटीई में लापरवाही पर नोटिस, मेरठ सबसे पीछे, बस्ती सबसे आगे

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का अधिकार दिलाने वाली आरटीई की रफ्तार कई जिलों में सुस्त है। प्रदेश में अब तक कुल एक लाख 26 हजार 181 बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला मिल पाया है, जबकि कुल एक लाख 85 हजार 675 सीटें आवंटित थीं। यानी 68 प्रतिशत सीटें ही भर पाई हैं। समग्र शिक्षा निदेशालय की ओर से लगातार चेतावनियों और निर्देशों के बावजूद कई जिलों में आरटीई के तहत दाखिले 60 प्रतिशत से भी कम हैं। प्रदेश में मेरठ की स्थिति सबसे खराब है, जहां सिर्फ 37 प्रतिशत बच्चों को ही दाखिला मिला है।

यहां 4501 सीटों के मुकाबले सिर्फ 1670 बच्चों का चयन हुआ। अन्य जिलों में कानपुर नगर में 48 प्रतिशत, गाजियाबाद में 50 प्रतिशत, चंदौली में 54 प्रतिशत, गौतमबुद्धनगर में 55 प्रतिशत, गाजीपुर और आजमगढ़ में 58 प्रतिशत, सोनभद्र,कन्नौज, जालौन में 59 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश हुए हैं।

वहीं, दूसरी ओर कुछ जिलों में प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। बस्ती, ललितपुर, फिरोजाबाद, बलरामपुर, प्रतापगढ़, श्रावस्ती और हरदोई में 91 प्रतिशत से अधिक बच्चों को दाखिला मिल चुका है। अब कम प्रवेश वाले जिलों को नोटिस दिए गए हैं।

कम प्रवेश के पीछे यह भी कारण बताया जा रहा है कि कई अभिभावकों को पसंद का स्कूल नहीं मिला, इसलिए उन्होंने बच्चों को दाखिला नहीं दिलाया। कुछ निजी स्कूलों ने भी बच्चों के दाखिले से मना कर दिया।

समग्र शिक्षा के उप निदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि कम दाखिले वाले जिलों पर सख्ती बढ़ाई गई है। जिलों को लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे आरटीई दाखिलों में तेजी लाएं।

वज्रपात से बाइक सवार युवक की मौत, कर रहा था सेना में भर्ती की तैयारी

गोरखपुर, एजेंसी। चौरी चौरा में वज्रपात से बाइक सवार युवक की मौत हो गयी। छबैला के टोला मुहम्मदपुर निवासी सूरज सिंह सेना में भर्ती की तैयारी कर रहा था। हर दिन की तरह मंगलवार की सुबह करीब पौने चार बजे वह मजिठिया ग्राउंड पर दौड़ लगाने के लिए निकला था, लेकिन मौसम खराब होने से वह बीच रास्ते से लौटकर घर जा रहा था। चौरी चौरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छबैला के टोला मुहम्मदपुर निवासी सुरजीत सिंह दुबई में रहते हैं। उनका बड़ा बेटा सूरज सिंह सेना की तैयारी में जुटा था। वह प्रतिदिन सुबह चार बजे बाइक से मजीठिया खेल ग्राउंड सरदार नगर में दौड़ लगाने जाता था। मंगलवार को भी वाह दौड़ने ही जा रहा था, लेकिन मौसम खराब होने के चलते बीच रास्ते से घर वापस आ रहा था। गांव के करीब पहुंचा ही था कि वज्रपात से उसकी मौत हो गयी। छोटा बेटा चंदन सिंह पढ़ाई कर रहा है। इस घटना घर पर कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रो कर हाल बेहाल है। चौरी चौरा थानेदार वेद प्रकाश शर्मा ने बताया की शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

तिलक समारोह से बच्ची को लेकर भागा

पुलिस ने तीन घंटे में खोज निकाला

गोरखपुर, एजेंसी। खोराबार थाना क्षेत्र में सोमवार की रात तिलक समारोह के दौरान हैरान करने वाली घटना सामने आई।नौ माह की बच्ची को खेलाने के बहाने बाबा की गोद से लेकर युवक फरार हो गया।परिजन जब बच्ची को खोजते-खोजते थक गए, तो पुलिस को सूचना दी गई।

गनीमत रही कि पुलिस की सक्रियता से महज तीन घंटे में बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया।अपहरण का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपित को दोपहर बाद न्यायालय में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया।

घटना रात 9:30 बजे की है।रामनगर कड़जहां गांव के रहने वाले रमाकांत पाल अपनी नौ माह की नातिन शानवी (पुत्री पिंटू पाल) को लेकर गांव के धनई प्रजापति के घर आयोजित तिलक समारोह में गए थे।इस कार्यक्रम में लालजी टोला का रहने वाला आकाश साहनी उर्फ कनवा (पुत्र विश्वनाथ साहनी) भी मौजूद था। जिसने बच्ची को खेलाने के बहाने अपनी गोद में लिया और वहां से गायब हो गया।

शुरुआत में लोगों ने इसे हल्के में लिया, लेकिन जब काफी देर तक बच्ची नहीं दिखी तो परिजनों की चिंता बढ़ी। खोजबीन करने पर भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो डायल 112 पर सूचना दी गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए खोराबार थानाध्यक्ष इत्यानंद पांडेय ने तत्काल एक्शन लिया।

सीओ कैंट योगेंद्र सिंह भी पहुंच गए।बच्ची की तलाश के लिए आठ टीमों का गठन हुआ और पूरे इलाके में तलाशी अभियान शुरू हुआ। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद रात 12:30 बजे बच्ची को कुसम्ही जंगल में नर्सरी के पास सकुशल बरामद करने के साथ ही पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया।रमाकांत पाल की तहरीर पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कर मंगलवार को दोपहर बाद आकाश साहनी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया।

रामनगर कड़जहां में सोमवार की रात तिलक समारोह की रौनक अचानक चीख-पुकार में बदल गई।शानवी के लापता होने के बाद खुशी का माहौल एक झटके में डर और चिंता में बदल गया। रात 9:30 बजे बच्ची को आखिरी बार बाबा की गोद में देखा गया, तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि वह अचानक इस तरह गायब हो जाएगी। शुरू में तो लोगों को लगा कि बच्ची आस-पास ही होगी, लेकिन आधे घंटे की खोजबीन के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजन के हाथ-पांव फूल गए।

बच्ची के लापता होने की खबर जैसे ही फैली, पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। तिलक समारोह छोड़कर लोग टार्च लेकर इधर-उधर दौड़ पड़े। गांव के बाहर खेत, बाग, नाले हर जगह देखा गया। लेकिन बच्ची का कुछ पता नहीं चला। शानवी की मां और दादी की हालत सबसे खराब थी। मां एक ही बात कहे जा रही थी, मेरी बच्ची मिल जाए, कुछ नहीं चाहिए। हर आहट पर दरवाज़े की तरफ दौड़ पड़तीं और फिर मायूसी लौट आती। जब रात करीब 9:30 बजे डायल 112 पर सूचना दी गई, तो खोराबार पुलिस तत्काल हरकत में आई। थानाध्यक्ष इत्यानंद पांडेय और सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने मोर्चा संभाला। पुलिस की गाड़ियों की आवाज़ें सुनकर लोगों को उम्मीद की किरण दिखाई दी।

ग्रामीणों ने भी पुलिस के साथ मिलकर रात के अंधेरे में सर्च आपरेशन शुरू किया। करीब तीन घंटे बाद जब खबर आई कि बच्ची कुसम्ही जंगल में नर्सरी के पास सकुशल मिल गई है, तो पूरे गांव में राहत की लहर दौड़ गई।इस तीन घंटे में गांव की हर सांस थमी रही। लेकिन पुलिस की तेज़ी और सजगता ने उस मासूम को सही-सलामत घर पहुंचा दिया और बड़ी अनहोनी टल गई।

रामजन्मभूमि के द्वितीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आ सकते हैं गृह मंत्री अमित शाह

अयोध्या, एजेंसी। रामजन्मभूमि परिसर में पांच जून को होने वाले सामूहिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी आयोजन की रूपरेखा तय कर रहे हैं और गणमान्य लोगों को आमंत्रण पत्र भेजने की तैयारी हो रही है।

आयोजन में सम्मिलित होने वाले प्रमुख नामों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो हैं ही, गृह मंत्री अमित शाह के भी आने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। आयोजन से जुड़े विश्वस्त लोगों का कहना है कि स्वयं उनकी ओर से ही इसमें शामिल होने की इच्छा जताई गई है। ऐसे में राम मंदिर परिसर में उनका प्रथम आगमन लगभग तय माना जा रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय से नौ नवंबर 2019 को राम मंदिर निर्माण के पक्ष में निर्णय आने के बाद पांच अगस्त 2020 को जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूमि पूजन किया तो इस आयोजन में गृह मंत्री अमित शाह नहीं पहुंच सके थे। विधानसभा चुनाव के दौरान वह 31 दिसंबर 2021 को अयोध्या में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे तो उन्होंने वैकल्पिक गर्भगृह में विराजमान रामलला का भी दर्शन किया था। लगभग साढ़े तीन वर्षों बाद जब भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हुआ और 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिग्गज हस्तियों की उपस्थिति में इसमें रामलला को प्रतिष्ठित किया, तब भी शाह नहीं पहुंच सके थे।

उन्होंने दिल्ली के लक्ष्मी नारायण बिड़ला मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण देखा था। लगभग डेढ़ वर्ष के उपरांत अब तक विभिन्न क्षेत्र के नामचीन लोगों ने रामलला का दर्शन कर लिया है, परंतु अब तक गृह मंत्री अमित शाह का राम मंदिर में आगमन नहीं हुआ है। यद्यपि इसी वर्ष प्रयागराज महाकुंभ के दौरान उनकी पत्नी सोनल शाह अपने बेटे जय शाह व पुत्रवधू रिशिता पटेल के साथ अयोध्या आई थीं और रामलला का दर्शन कर प्रयागराज व काशी भी गई थीं। ऐसे में यदि सामूहिक प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन में अमित शाह सम्मिलित होते हैं, तो यह उनका प्रथम आगमन होगा।

फिलहाल, ट्रस्ट की ओर से गृह मंत्री, मुख्यमंत्री व विभिन्न मंत्रियों के साथ ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों को आमंत्रण भेजा जाएगा। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल कुमार मिश्र ने इस बारे में कुछ भी बताने से इन्कार किया। कहा, दो दिन में ट्रस्ट महासचिव चंपतराय प्रेसवार्ता करके समस्त जानकारी देंगे। वहीं, सूत्रों का कहना है कि ट्रस्ट पदाधिकारियों के बीच इस पर चर्चा हो चुकी है और इसके अनुरूप ही आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

रामजन्मभूमि परिसर में तीन से पांच जून तक 14 मंदिरों में देव व ऋषि प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा एक साथ होनी है।

स्क्रैप की खरीद में तीन करोड़ की जालसाजी, गोरखपुर में दो आरोपी गिरफ्तार, कांटे से छेड़छाड़ कर बढ़ाते थे वजन

गोरखपुर, एजेंसी। गीडा के सेक्टर 23 स्थित अंकुर उद्योग में स्क्रैप की खरीद-फरोख्त के नाम पर करीब तीन करोड़ रुपये की जालसाजी का मामला सामने आया है।

एक ही परिवार की तीन फर्मों ने फैक्ट्री में कार्यरत एक कर्मचारी की मिलीभगत से तौल प्रणाली में हेराफेरी कर जालसाजी की थी। सहजनवां पुलिस ने सोमवार को इस मामले में शिवम गुप्ता और अनूप कुमार सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जालसाजी का पर्दाफाश तब हुआ जब 27 फरवरी 2025 को जब मिनी ट्रक से स्क्रैप आया, तो विक्रेता के बिल में 6450 किलो वजन दर्ज था। लेकिन शक होने पर जब दोबारा तौल कराया गया तो वजन सिर्फ 2240 किलो निकला।

जांच में पाया गया कि फैक्ट्री में लगे कांटे के कंट्रोल बाक्स से छेड़छाड़ कर फर्जी तौल की पर्चियां बनाई जा रही थीं। अनूप कुमार सिंह, जो फैक्ट्री में तौल की जिम्मेदारी निभा रहा था, बिना असली तौल कराए फर्जी पर्ची तैयार करता था।

उसकी मदद से तीनों फर्मों ने वास्तविक वजन से दो से तीन गुना अधिक बिल बनाए और फैक्ट्री से भुगतान प्राप्त किया। कुल 6.42 करोड़ की स्क्रैप आपूर्ति दिखाई गई, जबकि असली स्क्रैप मात्र आधा था।

जालसाजी में शामिल कौड़ीराम स्थित बीके ट्रेडर्स के प्रोपराइटर वीरेंद्र गुप्ता, मिश्रौली स्थित एके ट्रेडर्स के प्रोपराइटर अमित गुप्ता व महावीर छपरा स्थित देव ट्रेडर्स के प्रोपराइच कैलाश गुप्ता के व फैक्ट्री के कर्मचारी अनूप सिंह पर मुकदमा दर्ज हुआ था। एसपी ने बताया कि इन तीनों फर्मों का संचालन एक ही परिवार करता है।

यूपी में 36 करोड़ की लागत से बनेंगे नौ फुटओवर ब्रिज, आसान होगा आवागमन

कानपुर, एजेंसी। कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए नौ फुटओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। टेंडर की टेक्निकल मंजूरी फाइनल होने के साथ ही कन्नौज जिले में दो एफओबी का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा। इसके बाद कानपुर में सात एफओबी बनाए जाएंगे। इन एफओबी से दोपहिया वाहन ले जाने की सुविधा मिलेगी।

बाइक-स्कूटी सवारों को आर-पार जाने की सहूलियत मिलेगी। गलत दिशा में चलने के कारण दुर्घटना का शिकार होने से वाहन सवार बच जाएंगे। एनएचएआइ लगभग 36 करोड़ रुपये इन एफओबी पर खर्च करेगा। बीती 21 मई-2024 को प्रयागराज हाईवे पर महाराजपुर थाने के सामने हाईवे पार करते समय चार महिलाओं की मृत्यु हो गई थी। इसके साथ ही कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर नारामऊ कट पर बीती 15 अप्रैल को दो शिक्षिकाओं समेत कार चालक की मौत हो गई थी। इन घटनाओं के बाद हाईवे के पांच कट बंद कर दिए गए थे।

अब एनएचएआइ कानपुर से कन्नौज तक 82 किमी लंबे हाईवे पर कुल नौ एफओबी बनाएगा। इनमें सात कानपुर जबकि दो कन्नौज में होंगे। एनएचएआइ ने निर्माण कार्य के लिए तकनीकी निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली है। एक फुटओवर ब्रिज बनाने में लगभग चार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। एफओबी में सीढ़ियों के साथ-साथ रैंप की भी व्यवस्था रहेगी, ताकि बुजुर्ग, दिव्यांग व्हीलचेयर का उपयोग करके आसानी से हाईवे को पार कर सकेंगे, साथ ही दोपहिया वाहन चालकों को आवागमन की सुविधा मिलेंगी। एनएचएआइ के अधिकारियों ने बताया कि पहले चरण में दो एफओबी निर्माण कन्नौज में शुरू किया जाएगा। साथ ही सात एफओबी का कानपुर जनपद में निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। इन स्थानों में बनेंगे एफओबी एनएचएआइ ने कानपुर-अलीगढ़ हाईवे में कुल नौ स्थान चिह्नित किए हैं।

गोमती नगर में युवक ने की भाई की हत्या, नशेबाजी में हुआ था विवाद

लखनऊ, एजेंसी। गोमती नगर के विराम खंड दो में मंगलवार तड़के सुबह युवक ने अपने भाई के गले में धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिता और भाई को हिरासत में लिया है। साथ ही शव पोस्टमार्टम को भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू की है। विराम खंड दो में 27 वर्षीय सब्जी विक्रेता बाबूलाल परिवार के साथ रहता है। मंगलवार तड़के सुबह उसका भाई सनी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद हत्या की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने भाई सनी और पिता से पूछताछ शुरू की है। इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि परिवार आत्महत्या की बात कह रहा है। शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है। हत्या और आत्महत्या के पहलू पर जांच जारी है। रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश टी20 के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित; बाबर, रिजवान और अफरीदी बाहर

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है, जिसमें पूर्व कप्तान बाबर आजम, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी शामिल नहीं हैं। पीसीबी ने कहा कि टीम का चयन मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर, रिजवान और अफरीदी को टी20 सेटअप से बाहर किया गया है। इससे पहले अप्रैल में, तीनों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर कर दिया गया था, लेकिन वे वनडे मैचों का हिस्सा थे। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होने वाली तीन मैचों की सीरीज, कोच के तौर पर माइक हेसन की पहली सीरीज होगी, जिसका शेड्यूल आने वाले दिनों में घोषित किया जाएगा। बल्लेबाज सलमान अली आगा कप्तान बने रहेंगे और ऑलराउंडर शादाब खान उनके डिप्टी होंगे, जबकि अनुभवी सफेद गेंद के खिलाड़ी फखर जमान, हारिस रऊफ और नसीम शाह भी टीम में शामिल हैं। चोट से जूझने के बाद आक्रामक बल्लेबाज सैम अयूब की वापसी से पाकिस्तान को मजबूती मिलेगी। फरवरी में दूसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय टखने में फ्रैक्चर होने के बाद अयूब इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के दक्षिण अफ्रीका दौरे के बीच में ही बाहर हो गए थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मौजूदा पीएसएल सीजन में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है।

इस बीच, 29 वर्षीय बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को पीएसएल में उनके प्रदर्शन के लिए 2018 के बाद पहली बार टी20 सेटअप में वापसी का इनाम मिला है। उन्होंने पीएसएल में अब तक अपने 10 मैचों में 154.50 की स्ट्राइक रेट से 394 रन बनाए हैं और इवेंट में रन बनाने वाले चार्ट में सबसे आगे हैं।

पाकिस्तान टीम- सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना में चार देशों के टूर्नामेंट के लिए रवाना

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम बुधवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अर्जेंटीना के रोसारियो शहर के लिए रवाना हुई। वहां वे चार देशों के एक दोस्ताना हॉकी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

यह टूर्नामेंट टीम की दिसंबर में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप की तैयारी का हिस्सा है। इसमें भारत के अलावा अर्जेंटीना, उरुग्वे और चिली की टीमें भाग लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे के साथ मुकाबला करेंगी और अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। यह टूर्नामेंट 25 मई से 2 जून (भारतीय समयानुसार) तक चलेगा। इस दौरान भारतीय टीम इन तीनों देशों के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। इसका उद्देश्य टीम की तैयारी को परखना, सही टीम संयोजन बनाना और रणनीतियां सुधारना है। इस टीम के कोच तुषार खांडेकर हैं। गोलकीपर निधि टीम की कप्तान होंगी और फॉरवर्ड खिलाड़ी हीना बानो उप-कप्तान होंगी। भारत का पहला मुकाबला 25 मई को चिली से, दूसरा 26 मई को उरुग्वे से और तीसरा 28 मई को मेजबान अर्जेंटीना से होगा।

टीम के रवाना होने से पहले कप्तान निधि ने कहा, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना में होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित है। हम प्रशिक्षण में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हमारे प्रयास मैचों में दिखेंगे। मजबूत विरोधियों के खिलाफ खेलने से हमें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। हमें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और हम आगामी खेलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कोच तुषार खांडेकर ने कहा, हम इस दौरे से अपने सबसे अच्छे खिलाड़ियों को पहचानने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि जूनियर वर्ल्ड कप अब सिर्फ छह महीने दूर है। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देगा और आगे चलकर उन्हें सीनियर टीम में शामिल होने में मदद करेगा।

आईपीएल 2025:

23 मई को बंगलूरू में होने वाला आईपीएल मैच लखनऊ शिफ्ट

लखनऊ, एजेंसी। 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में खेला जाएगा। इसके लिए हैदराबाद की टीम रोक ली गई है। बीते दिनों टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले विराट कोहली आईपीएल में धूम मचा रहे हैं। अब बंगलूरू में 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में शिफ्ट किया गया है। इस खबर के साथ शहर में विराट के प्रशंसक खुशी से झूम रहे हैं, क्योंकि अब उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार अपने पसंदीदा खिलाड़ी का जलवा देखने का मौका मिलेगा।

विराट को लेकर शहर में पहले से ही काफी उत्साह था। दरअसल, यहां 27 मई को लखनऊ और बंगलूरू का मैच तय है। विराट को खेलता देखने के लिए इस मुकाबले

के टिकट काफी पहले ही बिक चुके हैं। अब 23 मई को इकाना स्टेडियम में हैदराबाद और बंगलूरू का मैच विराट प्रशंसकों के लिए बोनस है।

मंगलवार शाम को हैदराबाद की टीम बंगलूरू के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन उन्हें लखनऊ में ही रुके रहने के लिए कह दिया गया है। मुकाबले के लिए बंगलूरू टीम बुधवार को लखनऊ आ जाएगी। टीम का बृहस्पतिवार को इकाना स्टेडियम में अभ्यास का शेड्यूल भी है। इस दिन हैदराबाद की टीम भी अभ्यास कर सकती है।

प्लेऑफ नहीं तो एक अतिरिक्त लीग मैच ही सही

पिछले तीन साल से आईपीएल के मुकाबलों की मेजबानी करने वाले लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में पहली बार आठ मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दो सत्रों में लखनऊ सुपरजांयट्स के घरेलू मैदान में सात-सात लीग चरण के मुकाबले खेले गए थे। हालांकि इस सत्र में आईपीएल के मुकाबलों को लेकर उमड़ी भीड़ को देखकर लगा था कि शायद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) लखनऊ को प्लेऑफ मुकाबले की मेजबानी दे दे, लेकिन ऐसा हो न सका। इसके बाद यहां एक अतिरिक्त मैच आने से स्टेडियम प्रबंधन भी उत्साहित है।

बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद

हम प्लेऑफ के मुकाबले की मेजबानी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसमें निराश होने की कोई बात नहीं है, क्योंकि अब प्रशंसक अपने पसंदीदा विराट कोहली को इकाना स्टेडियम एक नहीं, दो बार खेलते दिखेंगे। उम्मीद है कि इन मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक अपनी उपस्थित दर्ज कराएंगे।

धर्मशाला में होंगे अंतर जिला टी-20 क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मैच

धर्मशाला, एजेंसी। प्रदेश क्रिकेट संघ की ओर से करवाई जा रही अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले धर्मशाला स्टेडियम में खेले जाएंगे। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ की ओर से करवाई जा रही अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले धर्मशाला स्टेडियम में खेले जाएंगे। वर्तमान में ऊना के संतोषगढ़ और पेखुबेला क्रिकेट मैदानों में अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसमें पूल के मुकाबले भारत-पाक के बीच बढ़े तनाव से पूर्व ही करवा लिए थे। कांगड़ा, मंडी, सोलन, कुल्लू और लाहौल-स्पीति के बीच मैच खेले गए। इस पूल में कुल्लू की टीम अंकतालिका में पहले और कांगड़ा की टीम दूसरे स्थान पर रही। टूर्नामेंट में कांगड़ा और कुल्लू ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, पूल बी के मुकाबले टूर्नामेंट की तिथि बदलने के चलते 17 मई से शुरू हुए हैं। पूल-बी में ऊना, हमीरपुर, शिमला, बिलासपुर, किन्नौर और सिरमौर के बीच लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। पूल बी में टॉप टू में रहने वाले टीमें 25 मई को धर्मशाला स्टेडियम में पूल-ए में टॉप पर रही कांगड़ा और कुल्लू के साथ सेमीफाइनल मुकाबले खेलेगी। सेमीफाइनल मुकाबलों में विजेता रहने वाले टीमों के बीच 26 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

शिखर धवन ने गुरुग्राम में खरीदा लग्जरी फ्लैट, कीमत है करोड़ों में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन ने गुरुग्राम में 69 करोड़ रुपए में एक लग्जरी फ्लैट खरीदा है। यह फ्लैट गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर अत्यधिक भव्य परियोजना 'द डहलियाज' में है। इस अपार्टमेंट का साइज 6,040 वर्ग फुट है। रियल एस्टेट क्षेत्र में आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली फर्म सीआरई मैट्रिक्स के मुताबिक पंजीकृत समझौता चार फरवरी, 2025 को हुआ था। धवन ने गुइस संपत्ति का मूल्य 65.61 करोड़ रुपए है। स्टाम्प शुल्क 3.28 करोड़ रुपये है, जिससे कुल कीमत लगभग 69 करोड़ रुपए हो जाती है। पिछले साल अगस्त में हरियाणा के गुरुग्राम में शुरू हुए 'द डहलियास' परियोजना में 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। सीआरई मैट्रिक्स के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार यहां प्रति स्क्वायर फीट अपार्टमेंट की कीमत 1,14,068 रुपए है। भारतीय क्रिकेट में 'गब्बर' नाम से के मशहूर शिखर धवन ने अगस्त 2024 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 2010 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और भारत के लिए उनका अंतिम मैच भी 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 50 ओवर का खेल था। अपने करियर के दौरान, धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले।

CSK की 10वीं हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा...

शायद यह उचित है कि हम सबसे नीचे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। यह लगभग तय है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2025 में आखिरी स्थान पर समाप्त होगी, क्योंकि राजस्थान रॉयल्स से छह विकेट से हारने के साथ उनका पतन जारी रहा। मंगलवार को बड़ी संख्या में भीड़ - जिसमें बच्चे, वयस्क और वरिष्ठ नागरिक शामिल थे - ने कोटला में कड़ी गर्मी और कामकाजी सप्ताह के दिन का सामना किया और पीली जर्सी पहनकर और हर छोटे अवसर पर सीटी बजाकर एमएस धोनी एंड कंपनी के लिए जोरदार समर्थन दिखाया।

लेकिन सीएसके के उलझे हुए दृष्टिकोण - जैसे कि रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे से आगे बढ़ाना - और गेंदबाजी में कोई भी पैनापन नहीं होना, ने उन्हें फिर से निराश किया।

मंगलवार के मुकाबले से पहले, मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि सीजन को अच्छी तरह से खत्म करने का अवसर उनके लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है। लेकिन आरआर से हार, जो इस सीजन की उनकी दसवीं हार थी, ने सीएसके को टी20 तालिका में काफी पीछे रहने की याद दिला दी। इसलिए, फ्लेमिंग को यह कहते हुए सुनना आश्चर्यजनक नहीं था कि सीएसके का अंक तालिका में सबसे नीचे रहना 'संभवतः उचित' है। हमें यहां नीचे रहना बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन यह कोई प्रेरणा नहीं है। हम बस एक अच्छा प्रदर्शन चाहते थे। हम कुछ

प्रदर्शनों को एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य दो अच्छे प्रदर्शन करना था। अब बस एक अच्छा प्रदर्शन खत्म करना होगा। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शायद यह उचित है कि हम सबसे नीचे हैं। हमने उस तरह का क्रिकेट खेला है, इसलिए आप इससे दूर नहीं रह सकते। लेकिन हम जो करना चाहते हैं, वह यह है कि मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करें, जो टीम की क्षमता को दर्शाता है।

हालांकि सीएसके द्वारा 78 रन पर अपनी आधी टीम गंवाने के बाद 187/8 का स्कोर बनाना सराहनीय था, लेकिन यह स्कोर हमेशा ही आरआर की प्रेरित टीम को चुनौती देने के लिए अपर्याप्त था, जिसने अपने युवाओं के दम पर जीत हासिल की। कुछ खिलाड़ियों ने चेन्नई में भी ट्रेनिंग की थी। बस इसमें थोड़ी यात्रा शामिल थी। बाकी सब अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि यह तालिका में हमारी स्थिति के हिसाब से अधिक है, अगर आप शीर्ष चार या पांच के आसपास हैं, तो वापस आकर प्रेरित होना और खेल में उतरना बहुत आसान है। फ्लेमिंग ने कहा, हम मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। इन दो मैचों के लिए हमारी प्रेरणा बहुत अधिक रही है। ट्रेनिंग अच्छी रही है। तीव्रता ठीक थी। हम फिर से बीच में प्रदर्शन करने में कमी कर रहे हैं।

तमाम उथल-पुथल के बीच, सीएसके इस बात से खुश होगी कि आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को किस तरह से प्रदर्शन किया, जिन्होंने क्रमशः 43 और 42 रन बनाते हुए कुछ बेहतरीन शॉट दिखाए। हालांकि सीएसके ने पावर-प्ले में 68 रन बनाए, एक ऐसा चरण जो उनके पतन का आधार रहा है, के बाद उन्होंने म्हात्रे सहित तीन विकेट खो दिए, और इससे 200 तक पहुंचने की उनकी इच्छा को चोट पहुंची।

मलेशिया मास्टर्स: एचएस प्रणय और करुणाकरन की शानदार जीत, दूसरे दौर में पहुंचे; सिंधू पहले ही दौर में बाहर

कुआलालंपुर, एजेंसी। प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। एचएस प्रणय और सतीश करुणाकरन ने पुरुष एकल मुकाबलों में उलटफेर करते हुए जीत हासिल की और मलेशिया मास्टर्स बैडमिंट टूर्नामेंट के दूसरे दौर में

जगह बना ली। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को बुधवार को महिला एकल मुकाबले के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। पुरुष एकल में भारतीयों का जलवा

प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। भारत के एक अन्य पुरुष खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे। आयुष ने कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से मात दी।

सिंधू की खराब फॉर्म जारी

पुरुष एकल वर्ग में जहां भारत के लिए अच्छा दिन रहा, वहीं, महिलाओं के वर्ग में सिंधू की खराब फॉर्म यहां भी बरकरार रही और वह इस सुपर 500 टूर्नामेंट का शुरुआती दौर ही पार नहीं कर सकीं।

सिंधू को वियतनाम की नगुयेन थियू लिंथ के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हार मिली।

चुराह की चंपा ठाकुर कबड्डी वर्ल्ड कप शिविर के लिए चुनीं

चंबा, एजेंसी। चंबा जिले के उपमंडल चुराह की ग्राम पंचायत बघेईगढ़ की रहने वाली चंपा ठाकुर का चयन आगामी कबड्डी विश्व कप के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। हिमाचल प्रदेश के चंबा

जिले के उपमंडल चुराह की ग्राम पंचायत बघेईगढ़ की रहने वाली चंपा ठाकुर का चयन आगामी कबड्डी विश्व कप के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। प्रशिक्षण शिविर सोनीपत में चल रहा है। यह 30 मई तक चलेगा। शिविर में देशभर से करीब 35 कबड्डी खिलाड़ी भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण के आधार पर ही विश्व कप की टीम घोषित की जाएगी। चंपा के पिता रमेश ठाकुर पेशे से पहलवान हैं, बेटा कुश्ती में अपना भविष्य संवार रहा है। इसके अलावा बेटी चंपा ठाकुर भी कबड्डी में जिले का नाम देशभर में रोशन कर रही हैं।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच राठौड़ ने कहा-

अगला साल निश्चित रूप से हमारा होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के लीग मैचों के समाप्त होने में अभी एक सप्ताह बाकी है, लेकिन राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के 14 लीग मैचों का कोटा पूरा होकर उनके आईपीएल 2025 का सफर समाप्त हो चुका है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बनने वाली आरआर अभी भी सीएसके से ठीक ऊपर और अंक तालिका में अंतिम से दूसरे स्थान पर है, जबकि पिछले साल आरआर ने प्ले ऑफ तक का सफर पूरा किया था। टीम के इस प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा, इस सीजन कई मैच ऐसे रहे, जहां हमने जीतते-जीतते कई करीबी मुकाबले गंवाए। हमने तीनों विभागों, खासकर फील्डिंग में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इसके अलावा हमने पांच बल्लेबाज रिटेन किए थे तो हमें बल्लेबाजों से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन कई मौके ऐसे आए, जहां हमने अच्छी शुरूआत नहीं की। वहीं गेंदबाजी में भी हमने अधिकतर बार 10 से 15 रन अधिक दिए, जो बाद में हार का अंतर साबित हुए। कई मौकों पर हम मैच को अपने पक्ष में समाप्त कर सकते थे, लेकिन हम दुर्भाग्यशाली रहे कि हम ऐसा नहीं कर पाए। यह निराशाजनक है और इससे तकलीफ होती है, लेकिन यह आपको अगले सीजन के लिए उम्मीद भी देती है। मुझे लगता है कि हम इससे बुरा और नहीं कर सकते और अगले सीजन हम निश्चित रूप से वापसी करेंगे। ये सभी लड़के एक साल और अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू क्रिकेट खेलकर और भी बेहतर होंगे, खासकर हमारी बल्लेबाजी इकाई और भी मजबूत होगी। गौरतलब है कि आरआर ने इस साल चार ऐसे करीबी मुकाबले गंवाए, जिसमें जीत-हार का अंतर 11 रन से भी कम था, वहीं दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मुकाबला भी सुपर ओवर में जाने के बाद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अगर इन मुकाबलों में से आधे के परिणाम भी आरआर के पक्ष में जाते तो वे प्ले ऑफ की दौड़ में बने रहते। हालांकि राठौड़ ने कहा कि उन्हें इस सीजन से कई सकारात्मक चीजें मिलीं, जो कि अगले सीजन को बेहतर बनाने के काम आएंगी। वैभव सूर्यवंशी के लिए पूछे जाने पर राठौड़ ने कहा, सूर्यवंशी के साथ अच्छी बात यह है कि उनके पास निरंतरता है और वह लगभग हर मैच में अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में भी अच्छी पारी खेली थी और बार-बार ऐसा करना दिखाता है कि वह अलग और अनूठे हैं। उनके बल्ले का डाउनस्विंग उन्हें एक विशेष खिलाड़ी बनाता है।

राठौड़ ने कहा, हमने टुकड़ों में अच्छी गेंदबाजी की, जैसे आज सीएसके के खिलाफ मैच में आकाश मधवाल ने अच्छा स्पैल डाला। उनको ऐसे गेंदबाजी करते देखना निश्चित रूप से सुखद था। इसके अलावा जोफ्रा आर्चर ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। आज, वनिंदु हसरंगा ने भी वापसी करते हुए अच्छी गेंदबाजी की। हम दुर्भाग्यशाली रहें कि सैंडी (संदीप शर्मा) बीच टूर्नामेंट में चोटिल हो गए, लेकिन वह ऐसे गेंदबाज हैं, जिस पर हम निर्भर रह सकते हैं। तो गेंदबाजी में ये सभी सकारात्मक चीजें हैं। उन्होंने कहा, वहीं बल्लेबाजी में तो बहुतों ने उम्मीद जगाई है। हमारी बल्लेबाजी जिस तरह की है, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए जितना बेकार सीजन हो सकता था, हो चुका है। यहां से चीजें बेहतर ही होंगी। चाहे वैभव (सूर्यवंशी) हों या ध्रुव जुरेल, सब यहां से बेहतर ही होंगे। वहीं रियान पराग एक विशेष खिलाड़ी हैं। संजू (सैमसन) दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस सीजन अधिकतर समय चोटिल रहें, हम उम्मीद करते हैं कि वह अगले सीजन पूरी तरह फिट होकर हमारे लिए पूरा सीजन खेलेंगे। वह न सिर्फ एक अच्छे बल्लेबाज, बल्कि बेहतरीन कप्तान और नेतृत्वकर्ता हैं। वहीं (शिमरॉन) हेटमायर के लिए यह निराशाजनक सीजन रहा, लेकिन जिस तरह के वह खिलाड़ी हैं, वह भी निश्चित रूप से कोशिश करेंगे कि आगे ऐसा ना हो।